

2011-2022
के पेपर्स का
विश्लेषण चार्ट
का समावेश

CTET 2022

केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा

NCERT पैटर्न पर आधारित

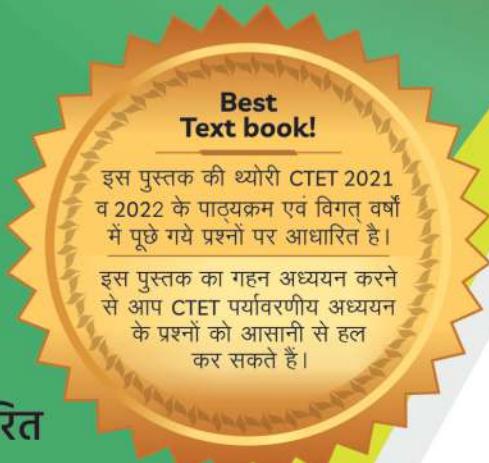
पर्यावरणीय अध्ययन

PAPER-I (कक्षा 1 से 5 के लिए)

NEW

4 in 1 Textbook

- सम्पूर्ण थ्योरी CTET पाठ्यक्रम एवं विगत वर्षों के प्रश्नों पर आधारित
- वर्ष 2011 से 2021 तक के सभी प्रश्न अध्यायवार एवं व्याख्यात्मक हल सहित
- अभ्यास प्रश्नों का अध्यायवार समावेश
- 23 दिस. 2021, 3 जन. 2022 और 7 जन. 2022 के CTET पेपर्स के पर्यावरणीय अध्ययन विषय के प्रश्नों का हल सहित समावेश।



Code	Price	Pages
CB915	₹ 179	226

विषय सूची

पृष्ठ संख्या

Student's Corner

◎ Agrawal Examcart Help Centre	iv
◎ परीक्षा की तैयारी करने की Best Strategy	v
◎ Current Affairs! की 100% सटीक तैयारी कैसे करें ?	vi
◎ केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा पाठ्यक्रम	vii
◎ C-TET (1-5) के पिछले वर्षों के हल प्रश्न–पत्रों का विश्लेषण चार्ट	viii

सॉल्व्ड पेपर्स

➤ केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा पेपर-I (I to V) हल प्रश्न–पत्र (परीक्षा तिथि : 07-01-2022)	1-4
➤ केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा पेपर-I (I to V) हल प्रश्न–पत्र (परीक्षा तिथि : 03-01-2022)	5-7
➤ केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा पेपर-I (I to V) हल प्रश्न–पत्र (परीक्षा तिथि : 23-12-2021) (प्रथम पाली)	8-10

पर्यावरण अध्ययन

1-214

1. पर्यावरण, परिवार तथा मित्र	1-16
2. सजीव जगत् (जन्तु एवं पादप)	17-32
3. मानव शरीर, भोजन तथा रोग	33-46
4. आश्रय	47-65
5. सौरमण्डल तथा पृथ्वी	66-72
6. जल तथा वायु	73-90
7. यातायात एवं यात्री	91-100
8. हम चीजें कैसे बनाते हैं	101-114
9. भारतीय जनजातियाँ, लोक कलाएँ, त्यौहार एवं भाषा	115-122
10. भारत विविधता में एकता	123-140
11. खेलकूद, भारतीय इतिहास की झलक ओर विश्व परिदृश्य	141-147
12. अध्यापन सम्बन्धी मुद्दे	148-202
13. NCERT (कक्षा 3 से 5) सारांश	203-214

अध्याय

पर्यावरण, परिवार तथा मित्र

1

1. पर्यावरण (Environment)

पर्यावरण शब्द परि + आवरण से मिलकर बना है। परि का अर्थ है चारों ओर और आवरण का अर्थ है घिरा हुआ। अर्थात् पर्यावरण का शाब्दिक अर्थ है चारों ओर से घिरा हुआ। सामान्यतः पर्यावरण को भौतिक सांस्कृतिक तथा जैवकीय पर्यावरण में विभाजित किया जा सकता है।

ज्ञान दें—

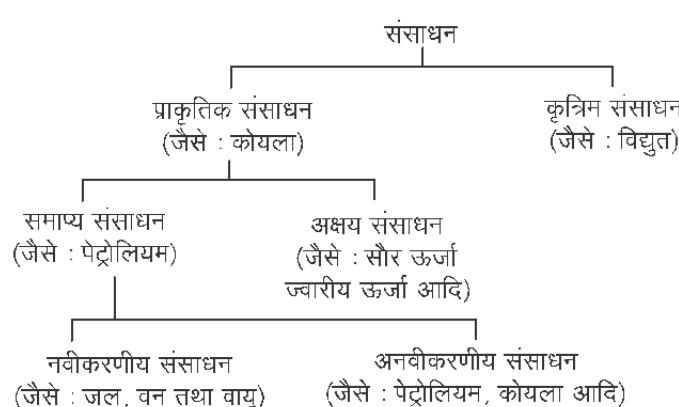
- इंदिरा गांधी ने 1972 में वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 को प्रारम्भ किया था।
- राजीव गांधी के नेतृत्व में पर्यावरण एवं वन मंत्रालय का सूजन 17 सितम्बर, 1985 में किया गया था।
- प्रोजेक्ट हाथी की शुरुआत 1992 में हुई थी।
- जैव विविधता अधिनियम 2002 में प्रारम्भ हुआ।

1. प्राकृतिक संसाधन

- 'प्राकृतिक संसाधन' शब्द का अर्थ उस सबसे है जिनका उपयोग हम अपने उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए अपने पर्यावरण से प्राप्त करते हैं जैसे मिट्टी, वायु, पानी, खनिज, कोयला, धूप (सूर्य का प्रकाश), पशु और पौधे, आदि।

2. कृत्रिम संसाधन

- वे संसाधन जो सभ्यता के विकास के दौरान मानव द्वारा विकसित किए गए हैं, कृत्रिम संसाधन कहलाते हैं। उदा. बायोगैस, तापीय विद्युत, प्लास्टिक।



प्राकृतिक संसाधनों को निम्न रूप से वर्गीकृत किया गया है—

- I. **अक्षय संसाधन**—वे संसाधन जो मानव उपभोग से समाप्त नहीं हो सकते हैं, अक्षय संसाधन कहलाते हैं। उदा. सौर विकिरण, पवन ऊर्जा, जल शक्ति (बहती धाराएँ) और ज्वारीय शक्ति आदि।

- II. **समाप्त संसाधन**—ऐसे संसाधन जो सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं।

- III. **नवीकरणीय संसाधन**—कुछ समाप्त संसाधन उपभोग के बाद स्वाभाविक रूप से पुनः उत्पन्न हो जाते हैं और इन्हें ही नवीकरणीय संसाधन के रूप में जाना जाता है। जैसे—जंगल के पेड़ और पौधे।

- IV. **गैर-नवीकरणीय संसाधन**—वे संसाधन, जिन्हें उपयोग के बाद प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता। उदा. खनिज (ताँबा, लोहा आदि) जीवाश्म ईंधन (कोयला, तेल आदि)।

1. वन

- वातावरण में ऑक्सीजन और कार्बन डाइऑक्साइड का संतुलन बनाए रखते हैं। इस प्रकार वन, प्रकृति के लिए हरे फेफड़े और जल शोधन प्रणाली के रूप में कार्य करते हैं।
- भारतीय वन राज्य रिपोर्ट (ISFR) 2019 के अनुसार, हमारे देश का 21.6% भाग वनों से आच्छादित है।

2. वनोन्मूलन

- वनोन्मूलन का अर्थ है जंगलों को साफ करना।
- जंगल की आग (दावानल) तथा भीषण सूखा वनोन्मूलन के प्राकृतिक कारण हैं।

3. वृक्षारोपण

- नए पेड़ लगाने की प्रक्रिया वनरोपण/वृक्षारोपण कहलाती है। वनरोपण का उद्देश्य दो प्रकार के वानिकी कार्यक्रम हैं जैसे सामाजिक वानिकी और कृषि वानिकी।
- सामाजिक वानिकी**—1976 में शुरू हुई। इसका उद्देश्य प्राकृतिक वनों को बढ़ावा देना और अप्रशुक्त भूमि पर पर वनों का विकास करना है।
- कृषि वानिकी**—कृषि की सीमाओं में और उसके आसपास तथा सीमांत, निजी भूमि पर कृषि फसलों के साथ वृक्षारोपण करना कृषि वानिकी कहलाता है।

4. पुनर्वनारोपण

- अधिक-से-अधिक पौधरोपण कर नष्ट हुए वनों का पुनर्वनीकरण करना ही पुनर्वनारोपण कहलाता है।
- वनों की कटाई सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार ने वन संरक्षण अधिनियम 1980 पारित किया है।

5. वनस्पतिजात एवं प्राणीजात

- किसी विशेष क्षेत्र में पाए जाने वाले पादपों और जानवरों को क्रमशः उस क्षेत्र के वनस्पतिजात और प्राणीजात कहा जाता है।
- जूलॉजिकल सर्वे अंफ इंडिया (ZSI) देश के जीव-जंतु संसाधनों का सर्वेक्षण करने के लिए जिम्मेदार है।

6. प्रजातियाँ

- यह ऐसे जीवों का एक समूह है जो अंतर्राष्ट्रीय रूप से संशयोग करने में सक्षम हैं। ये केवल अपनी प्रजाति के सदस्यों के साथ संतान पैदा करते हैं, किसी अन्य के साथ नहीं।
- **लुप्तप्राय प्रजातियाँ**
 - ऐसी प्रजातियाँ जिनकी संख्या कम है और विलुप्त होने के कागार पर हैं, उन्हें लुप्तप्राय प्रजाति कहा जाता है। जो प्रजातियाँ अब पृथ्वी पर उपस्थित नहीं हैं उन्हें विलुप्त प्रजाति कहा जाता है। उदा. डायनासोर, डोडो।
 - कुछ लुप्तप्राय पौधे—अब्रेला ट्री, मालाबार लिली, रैफलेसिया फूल भारतीय मैलो मुसली का पौधा आदि।
 - कुछ लुप्तप्राय जानवर—हिम तेंदुआ, एशियाई शेर, शेर की पूँछ वाला मैकॉक, भारतीय गैंडा, नीलगिरि तहर आदि।

I. पर्यावरण संरक्षण (Environment Conservation)

- सरल शब्दों में परिभाषित करें तो संरक्षण से तात्पर्य, संसाधनों के ऐसे प्रबंधन से है, जिससे कि प्राकृतिक या पारिस्थितिक संतुलन को नुकसान पहुँचाए बिना सबसे बड़ी संख्या में लोग सर्वाधिक लंबे समय तक लाभान्वित हों।

II. जैव विविधता (Biodiversity)

- यह जीवन और विविधता के संयोग से निर्मित शब्द है।
- भारत में जैव विविधता से संतुष्ट क्षेत्र परिचमी घाट है।
- भारत में जैव विविधता की दृष्टि से घना स्थान परिचमी घाट है।
- सर्वाधिक जैव विविधता ऊष्ण कटिबंधीय वर्षा वनों में पायी जाती है।
- विश्व के 34 जैव विविधता हॉटस्पॉट में से चार भारत में स्थित हैं और ये हैं—हिमालय, परिचमी घाट, इंडो-बर्मा क्षेत्र और सुंदालैंड (अंडमान—निकोबार द्वीप समूह शामिल हैं)।

(i) पर्यावरण संरक्षण से सम्बन्धित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण सम्बन्धी, जो सम्मेलन आयोजित हुए हैं, उनमें प्रमुख हैं—

(A) मानव पर्यावरण पर स्टॉकहोम सम्मेलन, 1972

- यह सम्मेलन स्वीडन के स्टॉकहोम शहर में 5 जून, 1972 को आयोजित किया गया था।
- इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP—United Nations Environmental Programme) का जन्म हुआ। इस सम्मेलन में ही यह घोषणा की गई कि प्रत्येक वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

(B) पृथ्वी सम्मेलन, 1992

- यह सम्मेलन ब्राजील की राजधानी रियो-डि-जेनेरियो में 3 जून, 1992 को आयोजित किया गया था।

(ii) भारत में पर्यावरण संरक्षण—

(A) पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986

- यह अधिनियम 1972 में हुए मानव पर्यावरण पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन की घोषणा को लागू करने के लिए पारित किया गया था तथा 19 नवम्बर, 1986 से इस अधिनियम को लागू किया गया।

(B) पर्यावरण सम्बन्धी प्रमुख आन्दोलन

(a) चिपको आन्दोलन, 1973

- इस आन्दोलन के नेता सुन्दर लाल बहुगुणा थे। इस आन्दोलन की शुरुआत आज के उत्तराखण्ड के गोपेश्वर शहर के रेनी नामक गाँव से हुई थी। इस आन्दोलन में महिलाएँ पेड़ों से विपक कर उनकी रक्षा करती थीं।

आज से लगभग तीन सौ साल पहले राजस्थान के जोधपुर शहर के खेजड़ली नामक गाँव में खेजड़ी वृक्षों की रक्षा करते हुए अमृता देवी बिश्नोई ने अपनी जान दे दी थी।

(b) अप्पिको आन्दोलन, 1993

- इस आन्दोलन के नेता—पाण्डुरंग हेगड़े थे। ध्यान रहे कि यह चिपको आन्दोलन का ही रूप था, जिसकी शुरुआत कर्नाटक में हुई थी।

(c) नर्मदा आन्दोलन, 1989

- इस आन्दोलन के प्रमुख नेता—बाबा आम्टे, मेधा पाटेकर थे तथा इस आन्दोलन की शुरुआत नर्मदा नदी पर बन रहे बांध के विरोध में हुई।

(C) पर्यावरण संरक्षण सम्बन्धी पुरस्कार

(a) इन्दिरा गांधी पर्यावरण पुरस्कार की शुरुआत 1987 में हुई। यह किसी संगठन या व्यक्ति विशेष को पर्यावरण के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान के लिए दिया जाता है।

(b) राजीव गांधी पर्यावरण पुरस्कार की शुरुआत 1993 में हुई। यह उन औद्योगिक संस्थानों एवं इकाइयों को दिया जाता है, जो पर्यावरण संरक्षण सम्बन्धी योजनाओं को लागू करते हैं।

III. धारणीय व स्थायी विकास (Sustainable Development)

- स्थायी विकास शब्द का प्रयोग पहली बार IUCN ने अपनी रिपोर्ट (विश्व संरक्षण) नीति में किया था। वर्ष 1987 में संयुक्त राष्ट्र में पर्यावरण से सम्बन्धित जिस प्रतिवेदन की प्रस्तुति के उपरान्त ‘धारणीय विकास’ पर चर्चा आरम्भ हुई, वह प्रतिवेदन ‘अवर कॉपन फ्यूचर’ था।

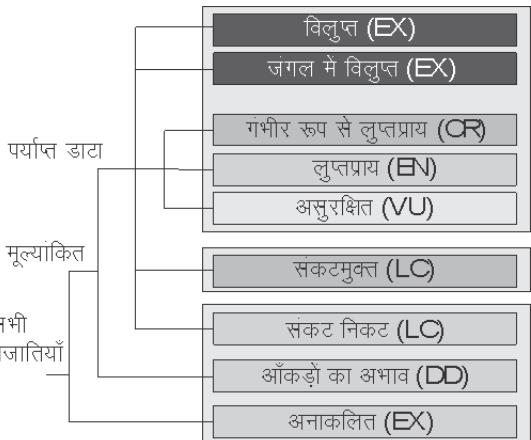
सतत विकास लक्ष्य (SDGs)

वर्ष 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा की 70वीं बैठक में ‘2030 सतत विकास हेतु एजेंडा’ के तहत सदस्य देशों द्वारा 17 विकास लक्ष्य अर्थात् एस. डी. जी. (Sustainable Development Goals-SDGs) तथा 169 प्रयोजन अग्रीकृत किये गये हैं।

IV. रेड डाटा बुक (Red Data Book)

- रेड डाटा बुक एक दस्तावेज है जिसमें जानवरों, पौधों और कवकों की दुर्लभ और लुप्तप्राय प्रजातियों का डाटा संग्रह किया जाता है।
- रेड डाटा बुक द्वारा दुर्लभ और लुप्तप्राय प्रजातियों की आदतों और आवासों पर अध्ययन और निगरानी कार्यक्रमों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होती है।
- यह पुस्तक विलुप्त होने वाली प्रजातियों की पहचान करने और उनकी रक्षा करने के लिए बनाई गई है।
- रेड डाटा बुक का रखरखाव इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) द्वारा किया जाता है।

- भारत के मामले में, इस पुस्तक में ब्लैक बक, ग्रेट इंडियन गैंडा और हिमालयन कस्तूरी मृग के नाम प्रमुख हैं।



यूनाइटेड नेशन्स फ्रेमवर्क कन्वेन्शन ऑन क्लाइमेट चेंज—यूएनएफसीसीसी (UNFCCC)

- रियो पृथ्वी सम्मेलन में पर्यावरण की रक्षा करने के लिए एक व्यापक सम्झित पर सहमति बनी, जिसे 'यूनाइटेड नेशन्स फ्रेमवर्क कन्वेन्शन ऑन क्लाइमेट चेंज' या यूएनएफसीसीसी (UNFCCC) कहा जाता है।

2. अभयारण्य/जैवमण्डल—रिजर्व (Sanctuaries/Biosphere Reserve)

- जैव विविधता के संरक्षण हेतु विविध प्रकार की विधियाँ अपनायी जाती हैं। इसमें संरक्षित क्षेत्रों की स्थापना करना एक महत्वपूर्ण विधि है। संरक्षित क्षेत्रों में राष्ट्रीय उद्यान, वन्य जीव अभयारण्य, संरक्षण रिजर्व एवं सामुदायिक रिजर्व शामिल हैं।

I. राष्ट्रीय उद्यान (National Park)

- वर्तमान में भारत में कुल 104 राष्ट्रीय पार्क हैं। सर्वाधिक राष्ट्रीय पार्कों की संख्या मध्य प्रदेश में 11 है, इसके बाद अंडमान निकोबार द्वीप

भारत में राष्ट्रीय उद्यानों का अद्यतन विवरण

राष्ट्रीय उद्यान	वर्ष	जिला
अंडमान व निकोबार द्वीप समूह (9)		
1. कैम्बल बे राष्ट्रीय उद्यान	1992	निकोबार
2. ग्लाथिया वे राष्ट्रीय उद्यान	1992	निकोबार
3. महात्मा गांधी मेरीन राष्ट्रीय उद्यान	1983	अंडमान
4. मिडिल बटन द्वीप राष्ट्रीय उद्यान	1987	अंडमान
5. माऊंट हैरियट राष्ट्रीय उद्यान	1987	अंडमान
6. नॉर्थ बटन द्वीप राष्ट्रीय उद्यान	1997	अंडमान
7. रानी झाँसी मेरीन राष्ट्रीय उद्यान	1996	अंडमान
8. सैडल पीक राष्ट्रीय उद्यान	1987	अंडमान
9. साउथ बटन द्वीप राष्ट्रीय उद्यान	1987	अंडमान
तेलंगाना (3)		
1. केसु ब्रह्मानन्द रेड्डी राष्ट्रीय उद्यान	1998	हैदराबाद
2. महावीर हरिना वनस्थली राष्ट्रीय उद्यान	1994	रंगारेड्डी
3. मरुगवानी राष्ट्रीय उद्यान	1994	रंगारेड्डी

समूह में 9 है। उल्लेखनीय है कि जिम कॉर्बिट राष्ट्रीय उद्यान भारत में स्थापित पहला राष्ट्रीय उद्यान है। इसकी स्थापना वर्ष 1936 में, हैली नेशनल पार्क के रूप में हुई थी।

- केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (Keoladeo National Park) को वर्ष 1982 में राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा प्रदान किया गया। * यह राजस्थान के भरतपुर जिले में स्थित है। * यूनेस्को ने वर्ष 1985 में इसे अपनी 'विश्व प्राकृतिक धरोहर' सूची में समिलित किया। * केवलादेव घाना राष्ट्रीय उद्यान जिसे पूर्व में भरतपुर पक्षी अभयारण्य के नाम से जाना जाता था, भरतपुर (राजस्थान) में स्थित है। यहाँ 366 पक्षियों की प्रजातियाँ, 379 फूलों की प्रजातियाँ तथा मछलियों, साँपों, छिपकलियों, उभयचरों आदि की विभिन्न प्रजातियाँ पाई जाती हैं, परन्तु शेर यहाँ की संरक्षित प्रजाति नहीं है।
- रामगंगा एवं कोसी नदियाँ कॉर्बिट राष्ट्रीय उद्यान से होकर प्रवाहित होती हैं। * ब्रह्मपुत्र, दिपलु, मोरा दिपलु एवं मोरा धनसिरि नदियाँ काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से होकर प्रवाहित होती हैं। * कुंतीपुजहा नदी साइलेंट वैली राष्ट्रीय उद्यान से होकर गुजरती है।
- गैंडे को पुनर्वासित करने का कार्य दुधवा राष्ट्रीय उद्यान में चल रहा है।
- * यह उद्यान उ.प्र. के लखीमपुर खीरी जनपद में स्थित है। * वर्ष 1984 में दुधवा राष्ट्रीय उद्यान में प्रथम गैंडा पुनर्वास योजना शुरू की गई थी।
- * 'सलील अली राष्ट्रीय उद्यान' (Salil Ali National Park) जम्मू एवं कश्मीर में स्थित है। * जम्मू एवं कश्मीर में स्थित सिटी फॉरेस्ट राष्ट्रीय उद्यान का नाम परिवर्तित कर यह नाम रखा गया है।

सुदरवन राष्ट्रीय उद्यान

सुदरवन राष्ट्रीय उद्यान भारत के पश्चिम बंगाल राज्य के दक्षिणी भाग में गंगा नदी के सुदरवन डेल्टा क्षेत्र में स्थित एक राष्ट्रीय उद्यान, बाघ संरक्षित क्षेत्र एवं बायोस्फीयर रिजर्व क्षेत्र है। यह क्षेत्र मैन्योव के घने जंगलों में धिरा हुआ है और रॉयल बंगाल टाइगर का सबसे बड़ा संरक्षित क्षेत्र है।

भारत में राष्ट्रीय उद्यानों का अद्यतन विवरण

राष्ट्रीय उद्यान	वर्ष	जिला
गोवा (1)		
1. भगवान महावीर मोल्लेम राष्ट्रीय उद्यान	1992	उत्तरी गोवा
गुजरात (4)		
1. बस्दा राष्ट्रीय उद्यान	1979	वालसाड़
2. ब्लैकबक राष्ट्रीय उद्यान	1976	भावनगर
3. गिर वन राष्ट्रीय उद्यान	1975	जूनागढ़
4. मरीन राष्ट्रीय उद्यान, कच्छ की खाड़ी	1982	जामनगर
हरियाणा (2)		
1. कालेसर राष्ट्रीय उद्यान	2003	यमुना नगर
2. सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान	1989	गुड़गाँव
हिमाचल प्रदेश (5)		
1. ग्रेट हिमालयन राष्ट्रीय उद्यान	1984	कुल्लू
2. इंदरकिला राष्ट्रीय उद्यान	2010	कुल्लू
3. खिरगंगा राष्ट्रीय उद्यान	2010	कुल्लू
4. पिन वैली राष्ट्रीय उद्यान	1987	लाहुल
5. सिमबलबारा राष्ट्रीय उद्यान	2010	सिरमौर

राष्ट्रीय उद्यान	वर्ष	जिला	राष्ट्रीय उद्यान	वर्ष	जिला
आन्ध्र प्रदेश (3)			कर्नाटक (5)		
1. पापीकोडा राष्ट्रीय उद्यान	2008	पापी हिला	1. अंशी राष्ट्रीय उद्यान	1987	उत्तरी कन्नड़
2. श्री वैकटेश्वर राष्ट्रीय उद्यान	1989	चित्तूर	2. बादीपुर राष्ट्रीय उद्यान	1974	मैसूर
3. राजीव गांधी (रामेश्वरम) राष्ट्रीय उद्यान	2005	कडपा	3. बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान	1974	बंगलुरु
अरुणाचल प्रदेश (2)			4. कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान	1987	विकमंगलूर
1. माऊलिंग राष्ट्रीय उद्यान	1986	अपर सियांग	5. राजीव गांधी राष्ट्रीय उद्यान	1988	कोडागू, मैसूर
2. नामदाफा राष्ट्रीय उद्यान	1983	चंगलांग	केरल (6)		
असम (5)			1. अन्नइमुदी शोला राष्ट्रीय उद्यान	2003	इडुक्की
1. डिबू-सैखोवा राष्ट्रीय उद्यान	1999	तिनसुकिया	2. इराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान	1978	इडुक्की
2. काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान	1974	सोनितपुर	3. मथिकेट्टन शोला राष्ट्रीय उद्यान	2003	इडुक्की
3. मानस राष्ट्रीय उद्यान	1990	बारपेटा, वौंगाइगाँव	4. पम्बादुम शोला राष्ट्रीय उद्यान	2003	इडुक्की
4. नामेरी राष्ट्रीय उद्यान	1998	सोनितपुर	5. पेरियारा राष्ट्रीय उद्यान	1982	इडुक्की
5. राजीव गांधी ओरंग राष्ट्रीय उद्यान	1999	सोनितपुर	6. साइलैंट वैली राष्ट्रीय उद्यान	1984	पलक्कड़
बिहार (1)			मेघालय (2)		
1. वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान	1989	पश्चिमी चंपारण	1. बाल्पक्रम राष्ट्रीय उद्यान	1985	दक्षिणी गारो हिल्स
छत्तीसगढ़ (3)			2. नोक्रेक राष्ट्रीय उद्यान	1986	पूर्वी, पश्चिमी – दक्षिणी गारो हिल्स
1. इंद्रावती (कुट्टुर) राष्ट्रीय उद्यान	1982	दांतेवाड़ा	मिजोरम (2)		
2. कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान	1982	बस्तर	1. मुर्लेन राष्ट्रीय उद्यान	1991	चम्पई
3. गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान	1981	सरगुजा	2. फावनगपुर्ई राष्ट्रीय उद्यान	1992	लवगतलई
मध्य प्रदेश (9)			नागालैंड (1)		
1. बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान	1968	उमरिया	1. इंटोकी राष्ट्रीय उद्यान	1993	दीमापुर
2. जीवाशम राष्ट्रीय उद्यान	1983	मंडला	ओडिशा (2)		
3. कान्हा राष्ट्रीय उद्यान	1955	मंडला, बालाघाट,	1. भीतरकनिका राष्ट्रीय उद्यान	1988	केन्द्रापड़ा
4. माधव राष्ट्रीय उद्यान	1959	पन्ना, छत्तरपुर	2. सिमलीपाल राष्ट्रीय उद्यान	1980	मयूरभंज
6. पैंच (प्रियदर्शिनी) राष्ट्रीय उद्यान	1975	सिवनी, छिंदवाड़ा	राजस्थान (5)		
7. संजय राष्ट्रीय उद्यान	1981	सीधी	1. मुकुदरा हिल्स (दररह) राष्ट्रीय उद्यान	2006	कोटा
8. सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान	1981	पचमढ़ी	2. डेजर्ट (मरुस्थल) राष्ट्रीय उद्यान	1992	जैसलमेर, बाड़मेर
9. वन-विहार राष्ट्रीय उद्यान	1979	भोपाल	3. केवलादेव घाना राष्ट्रीय उद्यान	1981	भरतपुर
महाराष्ट्र (6)			4. रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान	1980	सर्वाई
1. चंदौली राष्ट्रीय उद्यान	2004	सांगली	5. सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान	1982	अलवर
2. गुमला राष्ट्रीय उद्यान	1975	अमरावती	सिविकम (1)		
3. नवेंगांव राष्ट्रीय उद्यान	1975	गोदिया	1. खांगचेंदजोंगा राष्ट्रीय उद्यान	1977	उत्तरी सिविकम
4. पैंच राष्ट्रीय उद्यान	1975	नागपुर	तमिलनाडु (5)		
5. संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान	1983	थाणे, मुम्बई	1. गुंडी राष्ट्रीय उद्यान	1976	चेन्नई
6. टडोवा-लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान	1955	चन्द्रपुर	2. मन्नार की खाड़ी मरीन राष्ट्रीय उद्यान	1980	रामनाथपुरम, तृतीयकोरिन
मणिपुर (1)			3. इंदिरा गांधी (अन्नामलाई) राष्ट्रीय उद्यान	1989	कोयम्बटूर
1. केइबुल-लामजो राष्ट्रीय उद्यान	1977	विशनपुर	4. मुदुमलाई राष्ट्रीय उद्यान	1990	नीलगिरि
जम्मू और कश्मीर (4)			5. मुकुर्थी राष्ट्रीय उद्यान	1990	नीलगिरि
1. सिटी फॉरेस्ट राष्ट्रीय उद्यान	1992	श्रीनगर	त्रिपुरा (2)		
2. दाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान	1981	श्रीनगर	1. क्लाउडेड लियोपार्ड राष्ट्रीय उद्यान	2007	पश्चिमी त्रिपुरा
3. हेमिस राष्ट्रीय उद्यान	1981	लेह	2. विसोन (राजबरी) राष्ट्रीय उद्यान	2007	दक्षिणी त्रिपुरा
4. किश्तवार राष्ट्रीय उद्यान	1981	डोडा	उत्तर प्रदेश (1)		
झारखण्ड (1)			1. दुधवा राष्ट्रीय उद्यान	1977	लखीमपुर-खीरी
1. बेतला राष्ट्रीय उद्यान	1986	लातेहार			

राष्ट्रीय उद्यान	वर्ष	जिला
उत्तराखण्ड (6)		
1. जिम कार्बट राष्ट्रीय उद्यान	1936	नैनीताल, पौड़ी-गढ़वाल
2. गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान	1989	उत्तरकाशी
3. गोविन्द राष्ट्रीय उद्यान	1990	उत्तरकाशी
4. नंदादेवी राष्ट्रीय उद्यान	1982	चमोली
5. राजाजी राष्ट्रीय उद्यान	1983	देहरादून, पौड़ी गढ़वाल, हरिद्वार
6. फुलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान	1982	चमोली
पश्चिम बंगाल (6)		
1. बुक्सा राष्ट्रीय उद्यान	1992	जलपाईगुड़ी
2. गोरुलमारा राष्ट्रीय उद्यान	1992	जलपाईगुड़ी
3. न्योरा घाटी राष्ट्रीय उद्यान	1986	दार्जिलिंग
4. सिंगालीला राष्ट्रीय उद्यान	1986	दार्जिलिंग
5. सुन्दरवन राष्ट्रीय उद्यान	1984	उत्तरी, दक्षिणी परगना
6. जलदपारा राष्ट्रीय उद्यान	2014	जलदपारा

- सरिस्का एवं रणथम्भौर दोनों ही राजस्थान के राष्ट्रीय उद्यान हैं जहाँ बाधों को संरक्षण मिलता है। **सरिस्का टाइगर रिजर्व राजस्थान** के अलवर जिले में अवस्थित है। इसे वर्ष 1955 में वन्य जीव अभयारण्य जबकि वर्ष 1978 में टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था।
- गारो पहाड़ियाँ मेघालय स्थित गारो-खासी रेज का एक भाग है। नोक्रेक गारो पहाड़ियों की सबसे ऊँची घोटी है। यहाँ नोक्रेक जीवमंडल रिजर्व स्थापित है। **लोकटक झील पूर्वोत्तर भारत** में ताजे पानी (मीठा पानी) की सबसे बड़ी झील है, जो मणिपुर में स्थित है। नामदफा राष्ट्रीय उद्यान अरुणाचल प्रदेश में स्थित है। यह पूर्वी हिमालय जैव विविधता हॉटस्पॉट में सबसे बड़ा संरक्षित क्षेत्र है।
- बुक्सा बाघ परियोजना दार्जिलिंग के पास **पश्चिम बंगाल** में स्थित है। वर्ष 1992 में इसे राष्ट्रीय पार्क का दर्जा दिया गया।
- कर्नाटक स्थित नागरहोल राष्ट्रीय पार्क (Nagarhole National Park) मैसूर से 94 किमी. की दूरी पर स्थित है। **कोडागु (Kodagu)** और **गीजर** इसी नेशनल पार्क में स्थित हैं। इसके अंतिरिक्त 'ग्रैंड कैनियन' भी यहाँ स्थित है।

भारत के 18 जैवमंडलीय आरक्षित क्षेत्र

क्र.	वर्ष	नाम	स्थिति	राज्य	क्षेत्रफल (किमी.)
1.	1986	नीलगिरि	वायनाड, नागरहोल, बांदीपुर एवं मधुमलाई, सायलैंट वैली एवं सिर्खानी हिल्स के भाग	तमिलनाडु केरल, कर्नाटक	5520
2.	1988	नंदा देवी	चमोली, पिथौरागढ़ एवं अल्मोड़ा के भाग	उत्तराखण्ड	6,497.03
3.	1988	नोकरेक	गारो हिल्स के भाग	मेघालय	820
4.	1989	मन्नार की खाड़ी	भारत व श्रीलंका के बीच मन्नार की खाड़ी का भाग	तमिलनाडु	10,500
5.	1989	सुन्दरवन	गंगा एवं ब्रह्मपुत्र नदी डेल्टा का भाग	पश्चिम बंगाल	9,630
6.	1989	मानस	कोकराझार, बोंगाईगाँव, बरपेटा, नालबाड़ी, कामरुल एवं दारंग जिलों के भाग	অসম	2,837
7.	1989	ग्रेट निकोबार	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के द्वीपों का पश्चिमोत्तर भाग	अंडमान निकोबार	885
8.	1994	सिमलीपाल	मयूरभंज जिले का भाग	ओडिशा	4,374
9.	1997	डिब्बू सैखोवा	डिब्बूगढ़ एवं तिनसुखिया जिलों के भाग	অসম	765
10.	1999	देहांग दिवांग	अरुणाचल प्रदेश की सियांग एवं देबांग घाटी के भाग	অরুণাচল প্রদেশ	5,111.50

क्र.	वर्ष	नाम	स्थिति	राज्य	क्षेत्रफल (किमी.)
11.	1999	पंचमढ़ी	बेतूल, होशंगाबाद एवं छिंदवाड़ा के भाग	मध्य प्रदेश	4,926.28
12.	2000	कंचनजंगा	उत्तरी एवं पश्चिम सिक्किम का भाग	सिक्किम	2,619.92
13.	2001	अगस्थ्या मलाई	तमिलनाडु के तिरुनेलवेली एवं कन्याकुमारी जिले तथा केरल के तिरुवंतपुरम, कोल्लाम एवं पथानमथिट्टा	तमिलनाडु, केरल	3,500.36
14.	2005	अचनकमार अमर कंटक	अनूपपुर एवं डिङोरी जिले के भाग, बिलासपुर जिले का भाग	मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़,	3,835.51
15.	2008	कच्छ का रन (ग्रेटर)	गुजरात का कच्छ, राजकोट, सुरेन्द्र नगर और पाटन जिलों का भाग	गुजरात	1,2454
16.	2009	कोल्ड डेजर्ट	हिमाचल प्रदेश स्थित पिन वैली राष्ट्रीय पार्क और आसपास के क्षेत्र, चन्द्रताल, सरय और किंबर वन्यजीव अभयारण्य	हिमाचल प्रदेश	7,770
17.	2010	शेषाचलम पहाड़ी	आन्ध्र प्रदेश के चितुर और कुडपा जिलों के भाग	आन्ध्र प्रदेश	4,755.99
18.	2011	पन्ना	मध्य प्रदेश के पन्ना व छतरपुर जिलों के भाग	मध्य प्रदेश	2,998.98

नोट—क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा जैव मंडल आरक्षित क्षेत्र कच्छ की खाड़ी एवं सबसे छोटा डिन्हू सैखोवा है।

II. बाघ परियोजना (Tiger Project)

- राजस्थान के जोधपुर निवासी कैलाश सांखला के नेतृत्व में प्रथम बार इंदिरा गांधी ने बाघों की गिरती संख्या को रोकने के लिए 1 अप्रैल, 1973 को भारत में 'बाघ परियोजना' शुरू की। अब तक 52 बाघ आरक्षित क्षेत्र बनाये जा चुके हैं, जिनका क्षेत्रफल 53,547 वर्ग किमी है, जो देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 1.17 प्रतिशत है।
- भारत का सबसे बड़ा बाघ अभयारण्य नागर्जुन सागर (आन्ध्र प्रदेश) है। इसका क्षेत्रफल 3,568 वर्ग किमी है।
- बाघ परियोजना WWF (World Wild Fund for Nature) एवं भारतीय वन्य प्राणी बोर्ड द्वारा 1970 में गठित एक विशेष कार्य दल की संस्तुति पर प्रारम्भ की गयी।
- वर्ष 2010 में 'राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण' के तीन नये क्षेत्रीय कार्यालय नागपुर, गुवाहाटी तथा बंगलुरु में खोले गये।
- विश्व का सबसे ऊँचाई पर नामदफा बाघ रिजर्व (अरुणाचल प्रदेश) स्थित है।
- विश्व में सर्वाधिक बाघ घनत्व वाला रिजर्व क्षेत्र काजीरंगा (असम) है।
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण ने आठ नये बाघ आरक्षित वन क्षेत्र बनाने के लिए सैद्धान्तिक रूप से पीलीभीत (उत्तर प्रदेश), रातापानी (मध्य प्रदेश), सुनावेदा (ओडिशा), मुकुन्दरा पहाड़ियाँ (जवाहर सागर तथा चम्बल वन्य-जीव विहारों सहित, राजस्थान), सत्यमंगलम (तमिलनाडु) और कुद्रेमुख (कर्नाटक) आदि में कार्य शुरू किया।
- एशियाई 'बब्बर शेर' (Asiatic Lion) का निवास गिरि वन है। इसे 'एशियाई सिंहों का घर' कहा जाता है।
- भारत में मध्य प्रदेश को 'टाइगर स्टेट' के नाम से जाना जाता है, क्योंकि यहाँ कुल बाघों की संख्या के लगभग एक-तिहाई बाघ पाये जाते हैं।
- सफेद बाघों के लिए ओडिशा का नन्दन कानन बाघ अभयारण्य प्रसिद्ध है।
- मध्य प्रदेश के कान्हा किसली नामक राष्ट्रीय उद्यान को सर्वप्रथम प्रोजेक्ट टाइगर में शामिल किया गया।

टाइगर मैन ऑफ इंडिया : कैलाश सांखला

वर्ष 1992 में पद्मश्री से अलंकृत राजस्थान के कैलाश सांखला को भारत में

बाघों पर किए गए अपने कार्यों के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। इसलिए उन्हें टाइगर मैन ऑफ इंडिया भी कहा जाता है। वर्ष 1973 में शुरू किए गए प्रोजेक्ट टाइगर का नेतृत्व सांखला ने ही किया था।

III. हाथी संरक्षण परियोजना (Elephant Conservation Programme)

- वन्य जीवों में हाथियों के प्राकृतिक आवास-स्थलों में उनका दीर्घकालीन जीवन सुनिश्चित करने के लिए, पर्यावर्त्ती संख्या में हाथियों की आबादी रखने वाले राज्यों में केन्द्र सरकार द्वारा 7 दिसम्बर वर्ष 1992 में गजतमे के नाम से हाथी संरक्षण परियोजना चलाई गई, जिसका शुभारम्भ झारखण्ड के सिंहभूम जिले से किया गया था।
- भारत में वर्तमान समय में यह परियोजना 16 राज्यों में चल रही है। इसके अन्तर्गत हाथियों की संख्या बढ़ाने तथा मानव-हाथी संघर्ष को यथासम्भव रोकने के प्रयासों पर बल दिया जा रहा है।
- हाथी संरक्षण परियोजना के अन्तर्गत 32 हाथी संरक्षण क्षेत्र (Elephant Reserves) घोषित किए गए हैं जो लगभग 70 हजार वर्ग किमी का क्षेत्रीय विस्तार रखते हैं।
- 22 अक्टूबर, 2010 को केन्द्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने भारत में हाथियों के भविष्य को सुरक्षित रखने के प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए उसे राष्ट्रीय विरासत पशु (National Heritage Animal) घोषित किया है।

महत्वपूर्ण तथ्य

- समुद्रायों का पूर्णक्रम जो क्रमशः एक निश्चित स्थान पर बदलता है, सीपर कहलाता है।
- पारिस्थितिकी संक्रमण अवधारणा का सर्वप्रथम प्रयोग बैनेट द्वारा किया गया था।
- 'द लिमिट टु ग्रोथ' रिपोर्ट का प्रकाशन 1972 में हुआ था।
- रियो पृथ्वी शिखर सम्मेलन 1992 में हुआ था।
- लाइकेन सहजीवता का उदाहरण है। चूंकि कवक और रैवाल सहजीविता में निवास करते हैं इसलिए, इसे लाइकेन कहा जाता है।
- क्योटो प्रोटोकाल का सम्बद्ध कार्बन डाई-आक्साइड के कम उत्सर्जन से है, जबकि मॉट्रियल प्रोटोकॉल (1987) का सम्बन्ध ओजोन परत के क्षरण के बचाव से है।

- भारत का प्रथम नेशनल सेण्टर फॉर मेरीन बायोडाइवर्सिटी गुजरात के जामनगर में स्थित है। इसकी स्थापना तटीय क्षेत्रों में जैव-विविधता की सुरक्षा के लिए की गई थी।
- इन-सीटू संरक्षण, जिसे अॉन साइट संरक्षण रूप में भी जाना जाता है। प्रजातियों के संरक्षण की एक विधि है।
- इन्सीनरेट्स ऐसा तंत्र है, जिसमें हवा की उपयुक्त आपूर्ति के साथ कूड़े-कचरे को जलाया जाता है।

कुजेनेट्स वक्र—यह वक्र पर्यावरणीय क्षति एवं GDP के मध्य सम्बन्धों को दर्शाता है तथा इस वक्र का आकार उल्टे 4 के समान होता है। इसके अनुसार आर्थिक विकास के दौरान प्रारम्भ में वातावरणीय ह्रास होता है, परन्तु आर्थिक विकास की एक सीमा के बाद समाज पर्यावरणों के साथ अपने सम्बन्धों को सुधार लेता है और पर्यावरणीय ह्रास घटने लगता है।

गहरी कार्बन वेधशाला—यह पृथ्वी पर कार्बन की भूमिका को आगे बढ़ाने हेतु एक वैश्विक अनुसंधान कार्यक्रम है। यह गहरी माइक्रोवियल पारिस्थितिकी तंत्र के क्षेत्रीय आन्दोलन के लिए है।

- सामान्य स्थिति में वृक्ष के पत्तों की सरसराहट 20 DB होगी।
- हाइड्रोजन न्यूनतम पर्यावरणीय प्रदूषण उत्पन्न करता है।
- भारत की जलवायु पर प्रथम राष्ट्रीय क्रिया योजना वर्ष 2008 में प्रकाशित हुई थी।
- लाइकेन वायु प्रदूषण के संकेतक हैं।
- प्राकृतिक रूप से पाये जाने वाली ज्वलनशील गैस को अत्यधिक दबाव के अन्दर रखने से बने तरल को संपीडित प्राकृतिक गैस (CNG) कहते हैं।
- ओजोन परत के अवक्षय के फलस्वरूप पराबैंगनी किरणों सीधे पृथ्वी पर पड़ती हैं, जिससे मानव एवं पशुओं में त्वचा केंसर जैसी घातक बीमारियाँ फैलती हैं।
- वर्तमान में आर्सेनिक द्वारा जल प्रदूषण परिचय बगाल के 7 ज़िलों में सर्वाधिक है। यहाँ पर जल में आर्सेनिक की मात्रा 0.05 mg/L से अधिक पाई गई है।
- नगरीय भारत का विस्तार औद्योगिक विकास, आधुनिक सेवा क्षेत्र के विकास और परिष्कृत आय अवसरों के निर्माण का एक मंच है।
- भारत में गिर्दों की कुल 9 प्रजातियाँ पायी जाती हैं।
- ओजोन दिवस प्रत्येक वर्ष 16 सितम्बर को मनाया जata है। 16 सितम्बर, 1987 को मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किये गये थे।
- ‘ग्रीन मफलर परियोजना’ के अन्तर्गत राजमार्गों के किनारे हरे वृक्ष की कतारें खड़ी करके ध्वनि प्रदूषण से बचा सकता है।
- मीथेन गैस के प्रमुख उत्पादन क्षेत्र-धान के खेत, कोयले की खदानें, पालतू पशुओं का मल तथा आर्ट्र भूमि है।
- बौयोटेक्नोलॉजी पार्क लखनऊ में अवस्थित है।
- समुद्रीय प्रकृति में बहुत से जीव एवं कीट स्वयं प्रकाश उत्पन्न करते हैं। प्राणियों द्वारा स्वयं प्रकाश उत्पन्न करने की इस क्षमता को ‘जीवदीप्त’ कहते हैं।

- कार्बन मौजों ऑक्साइड मनुष्य के शरीर में सांस के माध्यम से पहुँचकर रक्त में उपस्थित हीमोग्लोबिन की ऑक्सीजन वहन क्षमता को बिलकुल कम देती है।
- विश्व विकास संकेतक 2013 के अनुसार, जापान में उसके भौगोलिक क्षेत्र का उच्चतम प्रतिशत वनाच्छादित है।
- राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग शोध संस्थान नागपुर में स्थित है।

पर्यावरण से सम्बन्धित प्रमुख दिवस

1. राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस	5 जून
2. राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस	14 दिसम्बर
3. राष्ट्रीय आर्ट्र भूमि दिवस	2 फरवरी
4. मानवाधिकार दिवस	10 दिसम्बर
5. राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	28 फरवरी
6. विश्व मृदा दिवस	5 दिसम्बर
7. विश्व वन्य जीव दिवस	3 मार्च
8. विश्व घरेलू गोरैया दिवस	20 मार्च
9. विश्व जैव ईंधन दिवस	10 अगस्त
10. विश्व हाथी दिवस	12 अगस्त
11. राष्ट्रीय प्रदूषण रोकथाम दिवस	2 दिसम्बर
12. विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस	26 नवम्बर
13. विश्व वानिकी दिवस	21 मार्च
14. विश्व जल संरक्षण दिवस	22 मार्च
15. विश्व ओजोन दिवस	16 सितम्बर
16. विश्व मौसम और विज्ञान दिवस	23 मार्च
17. विश्व स्वास्थ्य दिवस	7 अप्रैल
18. अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति दिवस	21 सितम्बर
19. विश्व गैंडा दिवस	22 सितम्बर
20. विश्व शाकाहार दिवस	1 अक्टूबर
21. विश्व प्राकृतिक आवास दिवस	3 अक्टूबर
22. जल संसाधन दिवस	10 अप्रैल
23. पृथ्वी दिवस	22 अप्रैल
24. वन्य जीव सप्ताह	2 से 8 अक्टूबर
25. नेशनल डॉल्फिन डे (विहार)	5 अक्टूबर
26. विश्व पर्यावास दिवस	अक्टूबर माह का प्रथम सोमवार
27. विश्व प्रवासी पक्षी दिवस	8 मई
28. विश्व जैव विविधता दिवस	22 मई
29. तम्बाकू मुक्ति दिवस	31 मई
30. विश्व महासागर दिवस	8 जून
31. विश्व बाघ दिवस	29 जुलाई
32. विश्व जनसंख्या दिवस	11 जुलाई
33. वन महोत्सव	जुलाई का प्रथम सप्ताह
34. विश्व भूगर्भ जल दिवस	10 जून
35. संयुक्त राष्ट्र दिवस	24 अक्टूबर
36. विश्व खाद्य दिवस	16 अक्टूबर
37. विश्व आपदा नियंत्रण दिवस	13 अक्टूबर
38. विश्व पक्षी दिवस	12 नवम्बर

3. परिवार (Family)

सामान्यतः परिवार विवाहित व्यक्तियों जैसे माता-पिता एवं बच्चों का परम्परागत समूह होता है जो रक्त सम्बन्धी होते हैं, जैसे—भाई-बहन, चाचा-चाची, बुआ, मौसी, नाना, नानी, मामा इत्यादि।

भारत में परिवार, समाज की आधारभूत इकाई है। परिवार शब्द को अंग्रेजी में Family कहते हैं जो कि लैटिन भाषा के शब्द Famulus से बना है जिसका शाब्दिक अर्थ होता है नौकर।

बर्गेस तथा **लॉक** के अनुसार, “परिवार व्यक्तियों का ऐसा समूह है जो विवाह, रक्त या दत्तक बंधनों में संगठित है जिसमें एक सामान्य संस्कृति का सृजन एवं पोषण कर पति—पत्नी, माता—पिता, पुत्र—पुत्री अंतर्निहित कियाएँ करते हुए एक साधारण गृहस्थी कि रचना करते हैं।”

मैकाईवर के अनुसार, “परिवार बच्चों की उत्पत्ति एवं पालन पोषण की व्यवस्था करते हुए पर्याप्त रूप में निश्चित और स्थायी यौन सम्बन्ध से परिभाषित एक समूह है।”

वलेयर के अनुसार, “परिवार से हम सम्बन्धों की वह व्यवस्था समझते हैं, जो माता—पिता और उसकी संतानों के बीच पायी जाती है।”

जार्ज पीटर मुरडोक के अनुसार, “परिवार एक सामाजिक समूह है, जिसकी विशेषता सामान्य निवास, आर्थिक सहयोग एवं प्रजनन है। इसमें वयस्क पुरुष और स्त्री, जिनमें से कम से कम दो के मध्य समाज द्वारा वैध यौन सम्बन्ध होते हैं और एक या अधिक बच्चे, स्वयं या दत्तक बच्चे सम्मिलित करते हैं।”

मजूमदार के अनुसार, “परिवार उन व्यक्तियों का समूह है जो एक छत के नीचे रहते हैं, जो रक्त सम्बन्धी सूत्रों से सम्बद्ध रहते हैं तथा स्थान, हित एवं पारस्परिक कृतज्ञता के आधार पर एक होने की भावना रखते हैं।

लूसी मेयर के अनुसार, “परिवार एक ग्रहस्थ समूह है, जिसमें माता—पिता और संतान साथ रहते हैं। इसके मूल रूप में दंपति और उसकी संतान रहती है।”

परिभाषाओं के आधार पर परिवार के कुछ सामान्य लक्षण निम्न हैं—

- यौन सम्बन्ध
- एक वैवाहिक रूप
- वंश परम्परा एवं नामकरण की प्रणाली
- एक सामान्य निवास स्थान एवं
- एक ऐसी आर्थिक व्यवस्था जो परिवार के सदस्यों के पालन-पोषण के लिए अनिवार्य होती है।

L परिवार के प्रकार

सामान्यतः परिवार को निम्न आधारों पर बांटा जा सकता है—

- (i) **सदस्यों की संख्या या परिवार की प्रकृति (आकार)** के आधार पर
 - संयुक्त परिवार
 - एकल या केंद्रीय या नाभिकीय परिवार
 - विस्तृत परिवार
- (ii) **अधिकार के आधार पर**
 - पितृसत्तात्मक परिवार
 - मातृसत्तात्मक परिवार

(iii) निवास स्थान के आधार पर

- पितृ स्थानीय परिवार
- मातृ स्थानीय परिवार
- मातृ-पितृ स्थानीय परिवार
- मातृल (मामा) स्थानीय परिवार
- नव स्थानीय परिवार
- द्वि-स्थानीय परिवार

(iv) वंशनाम के आधार पर

- पितृ-वंशीय परिवार
- मातृ-वंशीय परिवार
- उभयवंशीय (उभयवाही) परिवार

(v) विवाह के आधार पर

- एक विवाही परिवार
- बहु विवाही परिवार
- बहु-पत्नीक विवाही परिवार
- बहु-पति विवाही परिवार
- भातृक बहुपतिक विवाह
- अभातृक बहुपतिक विवाह

(vi) उत्तराधिकार के आधार पर

- पितृरेखीय (पितृमार्गी) परिवार
- मातृरेखीय (मातृमार्गी) परिवार
- मातृल रेखीय परिवार

(vii) नामकरण के आधार पर

- पितृनामी परिवार
- मातृनामी परिवार

(viii) परिवार के कर्ता की स्थिति के आधार पर

- जन्ममूलक परिवार
- प्रजनन मूलक परिवार

(ix) अन्य आधारों पर

- समरक परिवार
- विवाह संबंधी परिवार
- नगरीय परिवार
- ग्रामीण परिवार

संयुक्त परिवार वह परिवार होता है जिसमें पति, पत्नी, उनके अविवाहित तथा विवाहित बच्चे, उनकी पत्नियाँ और बच्चे, चाचा-चाची, ताऊ-ताई, दादा-दादी का समावेश हो अर्थात् वह परिवार जिसमें तीन या तीन से अधिक पीढ़ियाँ एक साथ निवास करती हों, संयुक्त परिवार कहलाता है। ऐसे परिवारों में जो व्यक्ति सबसे वरिष्ठ होता है वही घर का मुखिया कहलाता है। परिवार के सभी सदस्यों की देखभाल करना तथा उनकी आवश्यकताओं का ध्यान रखना, उनको भोजन, आवास, वस्त्र आदि उपलब्ध कराना, उनकी शिक्षा-दीक्षा और विवाह संबंध आदि करना मुखिया का की दायित्व होता है परिवार के सभी सदस्य उसका सम्मान करते हैं और वह भी परिवार के सदस्यों में भेद नहीं करता और उनसे समान रूप से व्यवहार करता है। इस परिवार का खाना एक ही रसोई में बनता है सभी लोह भोजन भी एक साथ ग्रहण करते हैं और यहीं नहीं सभी लोग एक साथ पारिवारिक पूजा

आदि मे भाग भी लेते हैं। नौकरी या किसी व्यवसाय से प्राप्त आय को सम्पूर्ण परिवार की आय माना जाता है और सभी के लिए समान रूप से खर्च किया जाता है। यदि कोई विपदा या संकट की स्थिति हो तो सभी सदस्य एक दूसरे का पूर्ण सहयोग करते हैं अर्थात् ये सभी सदस्य परस्पर अपने अधिकारों और उत्तरदायित्वों का पालन करते हैं। इस प्रकार के परिवार मे व्यक्तिगत हितों के स्थान पर संयुक्त हितों को महत्व दिया जाता है। परिवार की संपत्ति पर कानूनी रूप से सभी सदस्यों का सामूहिक अधिकार होता है। सानुक परिवार के भी कई स्वरूप होते हैं यथा—

- जब वंश परंपरा से संबंधित दो युगल एक साथ रहते हों तो इस प्रकार का संयुक्त परिवार “वंश परंपरागत संयुक्त परिवार” कहलाता है। जैसे—माता का अपनी विवाहित पुत्री के साथ रहना या माता—पिता का अपने विवाहित पुत्र के साथ रहना।
- जब सहोदर संबंधित दो या अधिक विवाहित युगल एक साथ रहते हों तो इस प्रकार का संयुक्त परिवार “शाखीय संयुक्त परिवार” कहलाता है। जैसे—दो विवाहित संगेभाईयों का अपने बीवी तथा बच्चों के साथ एक साथ रहना।
- ऐसा शाखीय संयुक्त परिवार जिसमे तलाकशुदा, विधवा या अविवाहित सदस्य भी रहते हों तो इसे “अनुपूरित शाखीय संयुक्त परिवार” कहते हैं। जैसे—विवाहित भाइयों के साथ उनकी विधवा माँ या विधुर पिता या अविवाहित सहोदर भाई बहनों का रहना।
- ऐसा परिवार जिसमे रहने वाले तलाकशुदा या विधवा/विधुर संबंधी होते हैं, “अनुपूरित वंश परंपरागत संयुक्त परिवार” कहलाता है। जैसे—पिता के विधुर भाई या पुत्रवधू के अविवाहित भाई—बहनों का रहना।
- ऐसा परिवार जिसमे रहने वाले तीन या अधिक युगल वंश परंपरागत तथा शाखीय रूपों मे परस्पर संबंधित हों, “वंश परंपरागत शाखीय संयुक्त परिवार” कहलाता है। जैसे—किसी परिवार मे माता—पिता अपने दो या अधिक विवाहित बेटों तथा उनके अविवाहित बेटों के साथ रहते हों।
- जब किसी वंशागत शाखीय संयुक्त परिवार मे ऐसे तलाकशुदा या विधुर या विधवा या अविवाहित लोग रहते हों तो जिनका मूल परिवार से कोई संबंध न हो तो इसे “अनुपूरित वंश परंपरागत शाखीय संयुक्त परिवार” कहते हैं। जैसे—परिवार मे पिता के विधुर भाई या विधवा बहन या अविवाहित भतीजे का रहना। यद्यपि संयुक्त परिवार एक बहुत ही अच्छी परंपरा है परंतु फिर भी आजकल इसमे विघटन के वृतांत दिखाई देते हैं जिनके निम्न कारण हैं—
- नए—नए रोजगारों और बेहतर अवसरों की तलाश और प्राप्ति (औद्योगीकरण एवं भौगोलिक गतिशीलता) के लिए लोगों को अपने पुरुखों से अलग रहना पड़ता है। जीवन की उच्च महत्वाकांक्षाएँ तथा शाहीकरण भी विघटन के प्रमुख कारण हैं।
- आजकल व्यक्तिगत हितों को सामूहिक हितों से अधिक महत्व दिया जाने लगा है, जो कि संयुक्त परिवार के सिद्धान्त के विरुद्ध है अतः इन परिवारों का विघटन अवश्यम्भावी हो जाता है।
- रोजगार, शिक्षा, विवाह और संपत्ति सम्बन्धी कानूनों जैसे हिन्दू विद्याधन अधिनियम 1930, भारतीय कामगार प्रतिपूर्ति अधिनियम 1923, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948 ने व्यक्ति की संयुक्त परिवार पर आर्थिक निर्भरता को भी समाप्त कर दिया।

केवल पति—पत्नी और उनके आश्रित बच्चे जिस परिवार का निर्माण करते हैं उसको “एकल या केंद्रीय या नाभिकीय परिवार” कहते हैं। एकल परिवार आत्मनिर्भर तथा निर्णय लेने मे सक्षम होता है तथा यह परिवार का सबसे छोटा रूप होता है। इस परिवार को आर्थिक परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता तथा जिस बीज की इच्छा हो वह आसानी से प्राप्त हो जाती है, क्योंकि माँ बाप का पूरा ध्यान अपने बच्चों के भविष्य तथा सुख—सुविधाओं पर केन्द्रित होता है। इन लाभों के अतिरिक्त एकल परिवार के कई नुकसान भी हैं जैसे कि अकेले रहने के कारण बच्चे अपने दूसरे सम्बन्धों का महत्व नहीं जान पाते, परिवार के अन्य सदस्यों के प्रति उनका लगाव कम हो जाता है और साथ ही साथ दादा—दादी, चाचा—चाची, ताऊ—ताई आदि के प्यार से वंचित हो जाते हैं। अकेले रहने कि यह आदत उनके मानसिक और शारीरिक विकास को प्रभावित करती है।

एकल परिवारों के उदय के मुख्य कारण औद्योगीकरण तथा नगरीकरण हैं। आजकल यही प्रथा प्रचलित है। एकल परिवार के भी कई रूप हैं, यथा—

- वह परिवार जिसमे पति—पत्नी बच्चों के साथ या बच्चों के बिना रहते हों **—मूल एकल परिवार**
- वह परिवार जिसमे माता—पिता तथा उनके अविवाहित बच्चों के अतिरिक्त उनके एक या अधिक तलाकशुदा/अविवाहित/विधवा/विधुर संबंधी भी रहते हों **—अनुपूरित एकल परिवार**
- वह परिवार जिसमे कोई विधवा/विधुर अपने अविवाहित बच्चों या संगे भाई बहनों के साथ रहते हों **—उप मूल परिवार**
- वह परिवार जिसमे कोई विधवा अपने अविवाहित बच्चों के साथ अपनी विधवा सास के पास रहे **—अनुपूरित मूल परिवार**

वह परिवार जिसमे रक्त संबंधियों के अतिरिक्त कुछ आय संबंधी भी रहते हों, “विस्तृत (विस्तारित) परिवार” कहलाता है। इन परिवारों मे सदस्यों कि संख्या अधिक होती है तथा इनका स्वरूप एकपक्षीय (मातृपक्षीय या पितृपक्षीय) या बहुपक्षीय हो सकता है। इन परिवारों मे दो या अधिक पीढ़ियाँ एक साथ रहती हैं परंतु संबंधों का कोई सटीक ज्ञान नहीं होता। इन परिवारों मे सभी सदस्य मुखिया का सम्मान करते हैं क्योंकि सभी का निवास स्थान और कार्य एक ही होता है।

वह परिवार जिसमे परिवार कि निर्णयात्मक और आधिकारिक सभी शक्तियाँ परिवार के सबसे बड़े पुरुष मुखिया के हाथ मे हों, “पितृसत्तात्मक परिवार” कहलाता है जबकि जिन परिवारों मे व्यावहारिक और औपचारिक सत्ता किसी स्त्री (विशेषतः माँ) के हाथों मे हो तो वे परिवार “मातृसत्तात्मक परिवार” कहलाते हैं।

जब कोई स्त्री विवाह के बाद अपने पति के परिवार के साथ रहे तो ऐसा परिवार “पितृस्थानीय परिवार” कहलाता है परंतु यदि कोई स्त्री विवाह के बाद भी अपने पति को लेकर अपने परिवारजनों के साथ रहे तो इसको “मातृस्थानीय परिवार” कहते हैं। यदि नवदंपति कुछ समय के लिए पति के परिवारजनों के साथ रहे और फिर बाद मे कुछ समय के लिए वधू के परिवारजनों के साथ तो ऐसा परिवार “मातृ—पितृ स्थानीय परिवार” कहलाता है। परंतु यदि नव विवाहित दंपति अपना अलग घर बनाकर रहते हैं तो ऐसा परिवार “नव—स्थानीय परिवार” कहलाता है। यदि नवदंपति पति के मामा के परिवार मे जाकर रहे तो ऐसा परिवार “मातुल (मामा) स्थानीय परिवार” कहलाता है। ऐसा परिवार जिसमे पति अपने परिवारजनों के साथ तथा पत्नी अपने परिवारजनों के साथ रहे परंतु पति रात मे

अपनी पत्नी के घर रहकर दिन में वापस अपने परिवारजनों के पास चला जाता है, "द्वि-स्थानीय परिवार" कहलाता है।

ऐसे परिवार जिनमें वंश निर्धारण या नामकरण पिता के वंश के आधार पर हो, "पितृवंशीय परिवार" कहलाता है परंतु यदि यह माता के वंश के आधार पर हो तो इसे "मातृवंशीय परिवार" कहते हैं। यदि किसी परिवार में वंश परंपरा मातृ तथा पितृ परम्पराओं के साथ-साथ चलती है तो इस परिवार को "उभयवंशी (उभयवाही) परिवार" कहते हैं।

ऐसे परिवार जिनमें पुरुष केवल एक ही स्त्री से विवाह करता है और केवल तलाक या पत्नी कि मृत्यु की स्थिति में ही दूसरा विवाह करता है तो ऐसा परिवार "एक-विवाही परिवार" कहलाता है। परंतु जिन परिवारों में एक व्यक्ति के एक ही समय पर एक से अधिक जीवन-साथी हों तो इन परिवारों को "बहु-विवाही परिवार" कहते हैं। बहु-विवाही परिवार के भी कई स्वरूप हैं, यथा—

1. जब एक पुरुष की एक ही समय में कई पत्नियाँ हों
—बहुपत्नीक परिवार

(उदाहरण—मुस्लिम समाज, नागा तथा गोंड जनजातियाँ)

2. जब एक स्त्री के एक ही समय में कई पति हों
—बहुपति विवाही परिवार

(उदाहरण—टोडा, खासी जनजातियाँ तथा उत्तर प्रदेश में जौनसार—भाभर क्षेत्र)

3. सभी भाई मिलकर एक ही स्त्री से विवाह करें
—मातृक बहुपतिक विवाह
(उदाहरण—आजकल हरियाणा तथा पंजाब राज्यों में भूमि बटवारा न हो अतः यह विवाह प्रचलित है)
4. जब एक स्त्री कई पुरुषों से विवाह करे परंतु वे एक दूसरे के भाई न हों
—अमातृक बहुपतिक विवाह

वे परिवार जिनमें पिता से पुत्रों को संपत्ति प्रदान की जाती है, "पितृमार्गी परिवार" कहलाते हैं परंतु यदि माता से पुत्रियों को संपत्ति मिले तो ऐसे परिवारों को "मातृमार्गी परिवार" कहते हैं। ऐसे परिवार जिनमें संपत्ति मामा से भाँजों को मिले, "मातृल रेखीय परिवार" कहलाते हैं।

जिन परिवारों में बच्चों के नाम मातृकुल के आधार पर रखे जाते हैं उनको "मातृनामी परिवार" तथा जिन परिवारों में नाम पितृकुल के आधार पर रखे जाते हैं "पितृनामी परिवार" कहलाते हैं।

जिन परिवारों में व्यक्ति के जन्म लेने पर उनका पालन-पोषण उन्हीं परिवारों में होता है, "जन्ममूलक परिवार" कहलाते हैं जबकि वह परिवार जिसका निर्माण व्यक्ति विवाहोपरांत संतानोत्पत्ति से करता है "प्रजननमूलक परिवार" कहलाते हैं।

जिन परिवारों के सभी सदस्य रक्त से संबंधित होते हैं न की विवाह से, ऐसे परिवारों को "समरक परिवार" कहते हैं। जैसे—मालाबर (केरल) की नायर जाति। वह परिवार जिसमें रक्त और विवाह संबंधी एकसाथ रहते हों, "विवाह संबंधी परिवार" कहलाता है।

नगरों में रहने वाले परिवार "नगरीय परिवार" तथा ग्रामीण इलाकों में रहने वाले परिवार "ग्रामीण परिवार" कहलाते हैं।

II. परिवार के कार्य

कुछ ऐसे कार्य होते हैं जिनकी पूर्ति सिर्फ परिवार से ही हो सकती है। सामाजिक नियमों एवं रीति-रिवाजों के आधार पर जैसे—

- यौन आवश्यकताओं की पूर्ति
- संतान का जन्म एवं पालन-पोषण—जो परिवार की साझी जिम्मेदारी होती है।
- स्नेह और प्यार—जो परिवार के सदस्य एक-दूसरे से करते हैं।
- शैक्षणिक कार्य
- मनोरंजनात्मक कार्य
- परिवार में लिंग आधारित चुनौतियाँ होती हैं जिसकी वजह से बालक एवं बालिकाओं और स्त्री-पुरुष में भेदभाव किया जाता है।
- बच्चों को बालश्रम से मुक्ति दिलाने के लिए राष्ट्रीय बालश्रम उन्मूलन प्राधिकरण की स्थापना 26, सितम्बर 1994 को की गई थी।

III. सम्बन्ध

परिवार एक ऐसा सामाजिक समूह है, जिसमें अनेकानेक सदस्य साथ-साथ रहते हैं, जो आपस में रक्त सम्बन्धी होते हैं तथा एक-दूसरे से परस्पर भावात्मक आधार पर जुड़े रहते हैं। नये परिवार की स्थापना विवाह के पश्चात होती है। प्रारम्भ में इसमें पति-पत्नी ही होते हैं फिर धीरे-धीरे सन्तानोत्पत्ति होने पर इसका आकार विस्तृत होता जाता है। पति-पत्नी और बच्चों के अतिरिक्त परिवार के अन्य सदस्य, जैसे—दादा, दादी, ताऊ, ताई, चाचा, चाची, बुआ, फूफा आदि सदस्य यदि परिवार में साथ न रहते हों तो भी परिवार का एक अंग ही होते हैं। परिवार में प्रत्येक सदस्य का दूसरे के साथ एक निश्चित सम्बन्ध (रिश्ता) होता है। परिवार में प्रत्येक सदस्य दूसरे सदस्य के साथ अपने निश्चित सम्बन्धात्मक प्रतिमान के अनुसार ही व्यवहार (अन्तक्रिया) करता है। यदि कोई सदस्य अपने निश्चित सम्बन्धात्मक प्रतिमान के अनुसार अन्तक्रिया नहीं करता है तो पारिवारिक सम्बन्धों का स्वरूप अच्छा निर्धारित नहीं होता है, अतः पारिवारिक अन्तक्रियाएँ पारिवारिक सम्बन्धों के स्वरूप का निर्धारण करती हैं।

IV. पारिवारिक सम्बन्धों की विशेषताएँ, लक्षण या महत्त्व

परिवार, समाज का एक छोटा समूह है। प्रत्येक समूह की एकता सदस्यों की मनोवृत्तियों और मूल्यों की समानता पर निर्भर करती है। यहीं बात परिवार पर भी लागू होती है। परिवार के सदस्यों को एकता के सूत्र में बाँधने के लिए कुछ विशेष तथ्यों की आवश्यकता होती हैं, जब ये तथ्य परिवार में नहीं पाये जाते हैं या समाप्त हो जाते हैं, तो परिवार का स्थायित्व समाप्त होने लगता है। फलस्वरूप सदस्यों के आपसी सम्बन्ध तनावपूर्ण हो जाते हैं, शान्ति भंग हो जाती है और आपसी मनमुटाव बढ़ जाता है, जो धीरे-धीरे पारिवारिक सम्बन्धों को समाप्त कर देता है। परिवार जिसकी प्रमुख विशेषता, सुदृढ़ता एवं स्थायित्व है तथा जिसकी सामाजिक ढाँचे में एक केन्द्रीय स्थिति है ऐसी संस्था का स्थायित्व पारिवारिक सम्बन्धों की मधुरता पर आधारित होता है। अच्छे व

सामंजस्यपूर्ण पारिवारिक सम्बन्ध परिवार में स्थायित्व लाते हैं, बच्चों का समुचित विकास करते हैं तथा एक आदर्श परिवार की स्थापना करते हैं।।

विलियम जे. जूडे (1989) के अनुसार परिवार की निम्न विशेषताएँ होनी चाहिए—

- कम से कम दो भिन्न लिंगी वयस्क साथ साथ रहते हैं
- वे श्रम विभाजन के अनुसार कार्य करते हों, ना कि एक ही कार्यों में दोनों लगे हों
- वे भिन्न प्रकार के आर्थिक और सामाजिक आदान-प्रदान में लिप्त हों तथा एक दूसरे के मददगार हों
- वे अनेक वस्तुओं का समान रूप से उपभोग करते हों यथा-भोजन, संभोग, आवास और सामाजिक गतिविधियाँ आदि
- वयस्कों का बच्चों के साथ माता-पिता का संबंध हो तथा माता-पिता पर बच्चों की सुरक्षा, सहयोग एवं पोषण की जिम्मेदारियाँ हों।

निम्नलिखित विशेषताओं के आधार पर पारिवारिक सम्बन्धों का मूल्यांकन किया जा सकता है—

- (i) **उद्देश्यों की एकता** (Unity of Objectives)—अच्छे पारिवारिक सम्बन्धों वाले परिवार में सदस्यों के मध्य किसी भी विषय पर विचारों में विरोधाभास नहीं होता है। महत्वपूर्ण विषयों के सम्बन्ध में विचार-विमर्श करते समय और करने के पश्चात् एक विचार को सभी के द्वारा माना जाता है।
- (ii) **वैयक्तिक आकांक्षाओं की एकता** (Unity of Personal Ambitions)—परिवार में प्रत्येक सदस्य की रुचियाँ व मूल्य भिन्न-भिन्न होने से उनके व्यक्तित्व में समानता नहीं होती है, अतः उनके कुछ व्यक्तिगत लक्ष्य व आवश्यकताएँ होती हैं, जो दूसरे सदस्यों से भिन्न होते हैं, लेकिन जहाँ पारिवारिक सम्बन्ध अच्छे होते हैं।
- (iii) **रुचियों की एकता** (Unity of Interest)—यद्यपि जब नये परिवार की स्थापना होती है तो दो अलग-अलग परिवारों से आये हुए स्त्री और पुरुष का मिलन होता है। प्रारम्भ में दोनों की रुचियों, इच्छाओं, मनोवृत्तियों तथा कार्यों में थोड़ी-बहुत भिन्नता अवश्य ही रहती है, लेकिन परिवार के स्थायित्व के लिए तथा दाम्पत्य जीवन की सफलता के लिए, वे दोनों ही अपनी-अपनी रुचियों को एक-दूसरे के अनुरूप बनाने का प्रयास करते हैं।
- (iv) **सहयोगात्मक आधार** (Co-operational Basis)—जिन परिवारों में सदस्यों के आपसी सम्बन्ध अच्छे होते हैं, वहाँ सेवाओं का परस्पर आदान-प्रदान होता है।
- (v) **मुखिया के नेतृत्व में कार्य करने की क्षमता** (Capacity to do work in under Chief/Headman)—भारतीय संस्कृति के परिवारों की यह विशेषता है कि यहाँ कर्ता (घर के मुखिया) का प्रभाव सर्वाधिक होता है। परिवार के प्रत्येक सदस्य को मुखिया के संरक्षण में रहकर ही कार्य करना पड़ता है।

(vi) **स्थायित्व** (Stability)—परिवार में आपसी सम्बन्ध अच्छे होने पर सदस्यों के बीच तनाव व मनमुटाव कम रहता है, जिससे पारिवारिक ढाँचे में दृढ़ता बनी रहती है।

(vii) **सम्बन्धों में प्रत्यक्षता** (Apparent form in Relationships)—जिन परिवारों में सदस्यों के बीच आपसी सम्बन्ध अच्छे होते हैं, उन्हें प्रत्यक्ष रूप से देखा जा सकता है, क्योंकि अच्छे पारस्परिक सम्बन्धों में मधुरता होती है, कृत्रिमता व बनावटीपन का इनमें अभाव रहता है। प्रत्यक्ष व स्वाभाविक सम्बन्धों का स्वरूप स्वतः ही स्पष्ट हो जाता है।

(viii) **सम्बन्धों में गहनता** (Abstruseness in Relationships)—अच्छे पारस्परिक सम्बन्धों का स्वरूप गहन होता है। छोटी-छोटी परेशानियों इन सम्बन्धों को न तो तोड़ पाती हैं और न ही इनके स्वरूप को परिवर्तित कर पाती हैं।

(ix) **सामाजिक समूहों के बीच परिवार की अच्छी स्थिति** (Good Status of Family Amongst Social Groups)—जिन परिवारों के आपसी सम्बन्ध अच्छे होते हैं, उन परिवारों की सामाजिक समूहों के बीच उत्कृष्ट रहती हैं। पारिवारिक एकता के कारण ऐसे परिवार सामाजिक समूहों में लोकप्रिय रहते हैं। इसके विपरीत जिन परिवारों के सदस्यों के बीच परस्पर लड़ाई-झगड़ा तथा मनमुटाव रहता है, वे सामाजिक समूहों के बिना उपहास का कारण बनते हैं।

(x) **पारस्परिक कर्तव्य बोध** (Mutual Sense of Duty)—पारिवारिक सम्बन्ध अच्छे होने पर परिवार के प्रत्येक सदस्य को एक-दूसरे के प्रति अपने कर्तव्य का बोध होता है। फलस्वरूप प्रत्येक सदस्य अपनी क्षमतानुसार अपने दायित्वों का निर्वाह सहर्ष करता रहता है।

V. पारिवारिक सम्बन्धों या अन्तःक्रियाओं के प्रकार

भारतीय परिवेश में सामान्यतः दो प्रकार के परिवार पाये जाते हैं—संयुक्त परिवार, तथा एकाकी परिवार।

प्रत्येक परिवार में सदस्यों के बीच अन्तःक्रियाएँ होती हैं, जो पारिवारिक सम्बन्धों के स्वरूप को निर्धारित करती हैं। यहाँ हम दो प्रकार के पारिवारिक सम्बन्धों की चर्चा करेंगे—

- (i) एकाकी परिवार के सदस्यों के सम्बन्ध।
- (ii) संयुक्त परिवार के सदस्यों के सम्बन्ध।
- (i) एकाकी परिवार में सदस्यों के सम्बन्ध (Integrated Family Members Relationships)—

(A) **माता-पिता के बच्चों के साथ सम्बन्ध** (Parental Relationships with Children)—माता-पिता अपने बच्चों के साथ किस प्रकार का व्यवहार करते हैं? उनकी आवश्यकताओं को किस प्रकार और कितनी मात्रा में पूरा करते हैं? उनकी जिज्ञासाओं को शांत करने में कितने सहायक होते हैं? इन सभी बातों से माता-पिता और बच्चों के सम्बन्ध निर्धारित होते हैं। माता-पिता का दायित्व केवल जिम्मेदार बनने से नहीं होता है, बल्कि उन्हें बच्चों के साथ अच्छे सम्बन्धों के निर्माण करने की भी जरूरत होती है।

(B) **पति-पत्नी का सम्बन्ध** (Relationship of Husband-Wife)—माता-पिता एवं बच्चे के बीच जिस प्रकार मनोवैज्ञानिक लगाव होता है, पति-पत्नी के बीच भी कुछ ऐसा ही लगाव होता है, लेकिन उसका स्वरूप बदला हुआ होता है। नारी को अद्वागिनी

- कहे जाने के पीछे, उन दोनों के बीच पाया जाने वाला भावनात्मक लगाव ही है।
- (C) **पति-पत्नी सुरक्षात्मक सम्बन्ध** (Defensive Relationship of Husband-Wife)—सामाजिक सुरक्षा के लिए किसी भी स्त्री का वैवाहिक सम्बन्धों से जुड़ा होना बेहद जरूरी है। अविवाहित अवस्था में स्त्री चाहे कितनी भी पढ़ी लिखी कथों न हो समाज में वह असुरक्षित होती है।
- (D) **माता-पुत्री का सम्बन्ध** (Relationship of Mother-Daughter)—माता-पुत्री के सम्बन्ध काफी कोमल होते हैं। उनके बीच काफी गहरा भावनात्मक सम्बन्ध होता है। माता-पिता का सम्बन्ध काफी स्नेहपूर्ण सम्बन्ध इसलिए भी होता है क्योंकि पुत्री माता के कई कार्यों में सहयोग भी देती है।
- (E) **पिता-पुत्र का सम्बन्ध** (Relationship of Father-Son)—अपने पुत्र के प्रति माता-पिता का व्यवहार काफी स्नेहपूर्ण होता है। पुत्र भी माता-पिता से काफी भावनात्मक तरीके से जुड़ा होता है। जहाँ तक पिता-पुत्र का सम्बन्ध है, इनके सम्बन्धों का आधार मुख्य रूप से मनोवैज्ञानिक होता है।
- (ii) **संयुक्त परिवार में सम्बन्ध**—एकल परिवार से भिन्न संयुक्त परिवार कुछ अलग मनोवैज्ञानिक भावनाओं पर आधारित है।
- (A) **सास-बहू का सम्बन्ध** (Relationship of Mother-Daughter-in-law)—संयुक्त परिवार में जब कोई बहू आती है तो उसे कई रिश्तेदारों का सामना करना पड़ता है। इसमें एक सास भी होती है। चूँकि परिवार संयुक्त होता है इसलिए उसे परिवार में कई प्रकार की सासों से मुलाकात होती है, जैसे—चचिया सास, तइया सास, बुआ सास आदि। ऐसे परिवार में कई जेठानियाँ भी होती हैं, जिन्हें सास के समकक्ष के रूप में स्वीकार किया जाता है क्योंकि परिवार में इनका वर्चस्व भी काफी अधिक होता है। ये नई नवेली बहुओं पर अपना रौब गाँठती हैं।
- (B) **दादा, दादी का बच्चों से सम्बन्ध** (Grandfather-mother Relationship with Children)—संयुक्त परिवार में दादा-दादी बच्चों के प्रिय होते हैं। दादा-दादी भी बच्चों के साथ खूब लाड़-प्यार करते हैं। वह बच्चों को अपने साथ रखते हैं। बच्चे भी उनके साथ घुले-मिले रहते हैं। कभी-कभी अधिक लाड़-प्यार पाने के कारण बच्चे जिद्दी हो जाते हैं।
- (C) **ननद-भाभी के सम्बन्ध** (Relationship of Husband's Sister-Brother's wife)—ननद-भाभी का सम्बन्ध काफी सूक्ष्म भावनाओं पर आधारित होता है। यह सम्बन्ध काफी संवेदनशील होता है।
- (D) **स्त्रियों के पारस्परिक सम्बन्ध** (Mutual Relationship of Women)—संयुक्त परिवारों में कई स्त्रियाँ साथ रहती हैं, जिनके रिश्ते अलग-अलग होते हैं, जैसे—सास-बहू देवरानी-जेठानी, ननद-भाभी आदि।
- (E) **पुरुषों के पारस्परिक सम्बन्ध** (Mutual Relationship of Mens)—संयुक्त परिवारों में कई पुरुष जो आपस में रक्त सम्बन्ध होते हैं, साथ-साथ रहते हैं। बड़े जहाँ छोटे को

पर्याप्त स्नेह व सुविधाएँ देते हैं वहीं छोटे से सहयोग, आज्ञापालन तथा श्रद्धाभाव की अपेक्षा भी करते हैं।

VI. पारिवारिक सम्बन्धों को सुधारने के उपाय

परिवार जो कि आदिकाल से समाज की स्थायी संस्था माना जाता रहा है, आज उसका यह स्थायी रूप परिवर्तित होता जा रहा है। औद्योगीकरण एवं नगरीकरण, बेरोजगारी, पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव आदि ऐसे कारण हैं जिन्होंने पारिवारिक मूल्यों को प्रभावित किया है जिसका दुष्परिणाम सम्बन्धों के ह्रास के रूप में परिलक्षित हुआ है। पारिवारिक सम्बन्धों को सुधारने के लिए अग्र प्रयास किये जा सकते हैं—

- (i) **परस्पर सहयोग** (Mutual Co-operation)—परिवार के सभी सदस्यों को परस्पर एक-दूसरे की भावनाओं का आदर करना चाहिए तथा एक-दूसरे के साथ सहयोग पूर्ण व्यवहार करना चाहिए।
- (ii) **सन्तुलित व्यवहार** (Balanced Behaviour)—पारिवारिक सम्बन्ध मजबूत हों, इसके लिए आवश्यक है कि परिवार के मुखिया तथा अन्य सभी वयस्क सदस्यों को अपने से छोटे के साथ सन्तुलित व्यवहार करना चाहिए।
- (iii) **समस्याओं के प्रति समझौतावादी होना** (Compromistic for Problems)—पारिवारिक जीवन सामूहिक जीवन है। सामूहिक जीवन में मतभेद स्वाभाविक है।
- (iv) **एक-दूसरे की आवश्यकताओं व अपेक्षाओं की पूर्ति** (To Fulfilment of Needs and Ambitions of each other)—परिवार में सभी सदस्य आपस में रक्त सम्बन्धी होते हैं तथा सम्बन्धों के अनुरूप वे सभी एक-दूसरे से कुछ-न-कुछ अपेक्षाएँ रखते हैं। जैसे—जब बच्चे बड़े से प्रेम व स्नेह की अपेक्षा रखते हैं।
- (v) **आपसी विश्वास** (Mutual Belief)—परिवार में प्रत्येक सदस्य को एक-दूसरे के प्रति विश्वास रखना चाहिए। अविश्वास संदेह को जन्म देता है, जिससे पारिवारिक सम्बन्धों पर बुरा प्रभाव पड़ता है।
- (vi) **बच्चों को पर्याप्त स्नेह देना** (To give sufficient Affection to Children)—स्नेह एक ऐसा संवेग है जो बच्चों के संवेगात्मक व मानसिक विकास को प्रभावित करता है।
- (vii) **बच्चों पर आवश्यकता से अधिक सुरक्षा व नियन्त्रण न रखें** (To keeping not more than Neccessity Defense and Control on Children)—बालकों के विकास और माता-पिता के साथ आपसी सम्बन्ध में अत्यधिक लाड़-प्यार तथा अत्यधिक नियन्त्रण दोनों ही घातक होते हैं। अधिक लाड़-प्यार से बच्चे जिद्दी हो जाते हैं और माता-पिता की अवज्ञा करते हैं। इसी प्रकार आवश्यकता से अधिक नियन्त्रण में वे माता-पिता की उपेक्षा व अनादर करने लगते हैं।
- (viii) **पति-पत्नी आपसी समायोजन अच्छा रखें** (Husband-wife to keep Adjustment Mutual)—पति-पत्नी जिनसे नये परिवार की स्थापना होती है। वे ही परिवार की गाड़ी के दो पहिये होते हैं, अतः गाड़ी की चाल में सन्तुलन के लिए उनका आपसी समायोजन अच्छा होना चाहिए। यदि उनके बीच आपसी सम्बन्ध अच्छे हैं तो परिवार का बातावरण अच्छा रहता है और परिवार की छोटी-छोटी समस्याएँ गंभीर रूप धारण नहीं करती हैं और पारिवारिक सम्बन्ध अच्छे बने रहते हैं।

महत्वपूर्ण अभ्यास प्रश्न

1. मानवीय गतिविधियाँ, जो पृथ्वी पर जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार हैं, हैं—
 (A) एयरोसोल कैन का उपयोग
 (B) बनों को जलाना
 (C) कृषि क्रियाकलाप
 (D) उपर्युक्त सभी

2. वर्ष 1984 की ओपाल गैस त्रासदी निम्न में से किस गैस के रिसाव के कारण हुई थी?
 (A) गीथेन
 (B) मिथाइल आइसोसायनेट
 (C) नाइट्रस ऑक्साइड
 (D) कार्बन मोनोऑक्साइड

3. 'विश्व पर्यावरण दिवस' कब मनाया जाता है ?
 (A) 5 जून (B) 2 दिसम्बर
 (C) 16 सितम्बर (D) 11 जुलाई

4. एम. एस. स्वामीनाथन एक—
 (A) पारिस्थितिकी वैज्ञानिक थे
 (B) पत्रकार थे
 (C) कृषि वैज्ञानिक थे
 (D) पश्चि वैज्ञानिक थे

5. वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (उल्ल्यू. आई. आई.) कहाँ स्थित है ?
 (A) अहमदाबाद (B) नई दिल्ली
 (C) कोयम्बटूर (D) देहरादून

6. अपशिष्ट उत्पादों को खाने वाले जीवों को कहा जाता है—
 (A) शाकभक्षी (B) मृतकभक्षी
 (C) माँसभक्षी (D) रसायनभक्षी

7. 'रेड डाटा बुक' किससे सम्बन्धित है ?
 (A) विलुप्ति के करीब जीव
 (B) नदियों में प्रदूषण
 (C) घटता भूगर्भ जल-स्तर
 (D) बाय प्रदूषण

8. किस गैस के वर्षा के पानी में घुलने से वर्षा का पानी अम्लीय हो जाता है ?
 (A) कार्बन डाइऑक्साइड
 (B) हाइड्रोजन पेरोक्साइड
 (C) नाइट्रोजन मोनोऑक्साइड
 (D) सल्फर डाइऑक्साइड

9. 'वर्षा-जल संग्रहण' क्या है ?
 (A) पानी का वितरण
 (B) प्रयुक्त जल का संग्रह और भण्डारण
 (C) वर्षा-जल का जमाव और भण्डारण
 (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

10. निम्न में से कौन-सा क्रम पारिस्थितिक तंत्र में ऊर्जा प्रवाह के सम्बन्ध में सही है ?
 (A) उत्पादक-उपभोक्ता-अपघटक
 (B) उत्पादक-अपघटक-उपभोक्ता
 (C) अपघटक-उपभोक्ता-उत्पादक
 (D) उपभोक्ता-उत्पादक-अपघटक

11. वन्यजीव सुरक्षा परिषद् अधिनियम पारित किया गया था—
 (A) वर्ष 1960 में (B) वर्ष 1962 में
 (C) वर्ष 1972 में (D) वर्ष 1975 में

12. 'एगमार्क' का सम्बन्ध है—
 (A) गुणवत्ता से (B) पैकेजिंग से
 (C) संसाधन से (D) उत्पादन से

13. आर्सेनिक द्वारा जल-प्रदूषण सर्वाधिक है—
 (A) उत्तर प्रदेश में (B) मध्य प्रदेश में
 (C) बिहार में (D) पश्चिम बंगाल में

14. ग्रीनपीस इंस्टरेनेशनल का मुख्यालय अवस्थित है—
 (A) न्यूयॉर्क (B) सिडनी में
 (C) एस्टर्डम (D) नागासाकी में

15. 'डल्लू. डल्लू.एफ.' से आशय है—
 (A) वर्ल्ड वाइड फण्ड
 (B) वर्ल्ड वॉर फण्ड
 (C) वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फण्ड
 (D) वर्ल्ड वॉच फण्ड

16. घास-भूमि क्षेत्र के पारितन्त्र की खाद्य श्रृंखला में सबसे उच्च स्तर के उपभोक्ता होते हैं—
 (A) शाकाहारी
 (B) माँसाहारी
 (C) जीवाणु
 (D) माँसाहारी या शाकाहारी

17. पारिस्थितिक तंत्र में ऊर्जा का मुख्य स्रोत है—
 (A) एटी.पी. (B) सूर्य-प्रकाश
 (C) डी.एन.ए. (D) आर.एन.ए.

18. निम्नलिखित में कौन-सा वृक्ष जैविक कीटनाशक का उत्पादक है ?
 (A) चीम (B) देवदार
 (C) चीड़ (D) ओक

19. पर्यावरण संरक्षण अधिनियम किस वर्ष पारित हुआ था ?
 (A) 1982 (B) 1986
 (C) 1992 (D) 1996

20. निम्नलिखित में से किसमें सर्वाधिक जैव-विविधता पायी जाती है ?
 (A) शीतोष्ण पर्याप्ती वन बायोम
 (B) उष्णकटिबन्धीय सदाबहार वर्षा वन बायोम
 (C) शीतोष्ण घास प्रदेश बायोम
 (D) सुवाना बायोम

21. ध्वनि प्रदूषण का मापन किस इकाई द्वारा किया जाता है ?
 (A) जूल (B) डेसीबल
 (C) न्यूटन (D) नैनो इकाई

22. "ग्रीन मफ्लर" सम्बन्धित है—
 (A) मृदा प्रदूषण से
 (B) वायु प्रदूषण से
 (C) ध्वनि प्रदूषण से
 (D) जल प्रदूषण से

23. अन्तर्राष्ट्रीय 'ओजोन दिवस' मनाया जाता है—
 (A) 16 सितम्बर (B) 7 दिसम्बर
 (C) 30 मार्च (D) 22 अप्रैल

24. किसी खाद्य श्रृंखला में शाकाहारी होते हैं—
 (A) प्राथमिक उत्पादक
 (B) प्राथमिक उपभोक्ता
 (C) द्वितीयक उपभोक्ता
 (D) अपघटनकर्ता

25. पारिस्थितिक तंत्र के तत्त्वों के चक्रण को क्या कहते हैं ?
 (A) रासायनिक चक्र
 (B) जैव-भू-रासायनिक चक्र
 (C) भूगर्भीय चक्र
 (D) भू-रासायनिक चक्र

26. निम्नलिखित ईंधनों में से कौन-सा न्यूनतम पर्यावरणीय प्रदूषण उत्पन्न करता है ?
 (A) डीजल (B) पेट्रोल
 (C) हाइड्रोजन (D) कोयला

27. संकटग्रस्त जन्तु दैत्याकार पाण्डा पाया जाता है—
 (A) अस्ट्रेलिया में (B) भारत में
 (C) चीन में (D) ब्राजील में

28. निम्नलिखित किस गैस के कारण ओपाल गैस त्रासदी हुई ?
 (A) क्लोरो-फ्लोरो कार्बन
 (B) कार्बन डाइऑक्साइड
 (C) नाइट्रस ऑक्साइड
 (D) मिथाइल आइसोसायनेट

29. मानव विकास के क्रम में दो पैरों पर चलने का सबसे बड़ा लाभ है—
 (A) शरीर को अच्छी प्रकार आधार देना
 (B) शरीर का भार कम होना
 (C) हाथ स्वतन्त्र रूप से मर्सिटिक की आज्ञानुसार कार्य कर सकते हैं
 (D) अधिक तेज चाल

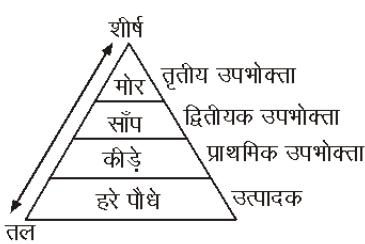
30. इकोसिस्टम की सही परिभाषा क्या है ?
 (A) परस्पर क्रिया करने वाला जीव समुदाय

- (B) किसी स्थान का अजीवीय घटक
 (C) पृथ्वी और वायुमण्डल का क्षेत्र जहाँ जीव रहते हैं
 (D) जीव समुदाय और उसके वातावरण का सन्तुलित तन्त्र
31. किसी पारितन्त्र में तत्त्वों का चक्रण कहलाता है—
 (A) जीव भू-रासायनिक चक्र
 (B) भौवैज्ञानिक चक्र
 (C) रासायनिक चक्र
 (D) उपरोक्त में से कोई नहीं
32. जैविक समुदाय में प्राथमिक उपभोक्ता है—
 (A) माँसाहारी (B) सर्वाहारी
 (C) शाकाहारी (D) डेट्रिटोर
33. जब मोर साँप को खाता है, साँप कीड़े को खाता है और कीड़े हरे पौधों को खाते हैं, तो मोर का पोषण तल है—
 (A) प्राथमिक उपभोक्ता
 (B) अन्तिम अपघटक
 (C) प्राथमिक अपघटक
 (D) खाद्य पिरामिड के शीर्ष पर
34. गैरीय अपशिष्ट है—
 (A) सब्जी एवं फलों के छिलके
 (B) घरों की नालियों का गन्दा पानी
 (C) खेत खलिहानों से निकलने वाला कचरा
 (D) लकड़ी, कोयला से जलने वाला धुआँ
35. जब एक जीव लाभ लेता है बगैर दूसरे सहवासी जीव को प्रभावित किए, तो कहलाता है—
 (A) परजीवी (B) सहभोजी
 (C) मृतोपजीवी (D) सहजीवी
36. जो शाकाहारी जन्तु भोजन के लिए हरे पेड़-पौधों पर निर्भर रहते हैं—
 (A) प्रथम चरण उपभोक्ता
 (B) द्वितीय चरण उपभोक्ता
 (C) तृतीय चरण उपभोक्ता
 (D) उपभोक्ता
37. कौन-सा वायुमण्डलीय प्रदूषक अम्लीय वर्षा का मुख्य कारक है ?
 (A) SO_2 (B) H_2S
 (C) HCl (D) N_2
38. निम्न में कौन सर्वाधिक उत्पादन पारिस्थितिकी तन्त्र है ?
 (A) उष्णकटिबन्धीय वर्षा वन
 (B) ट्रूप्ड्रा
 (C) सवाना
 (D) मरुस्थल
39. निम्नलिखित में से कौन-सी ग्रीन हाउस गैस नहीं है ?
 (A) CO_2 (B) N_2O
 (C) CO (D) CH_4
40. असम का प्रसिद्ध 'एक सींग वाले गैण्डे' वाला वन्य जीव अभयारण्य कौन-सा है ?
 (A) मानस (B) काजीरंगा
 (C) गिर जंगल (D) कान्दा-किस्ली
41. खाद्य शृंखला के परस्पर समूह को कहा जाता है—
 (A) खाद्य चक्र
 (B) शृंखला अभिक्रिया
 (C) खाद्य जाल
 (D) बायोमास का पिरामिड
42. किसी नदी के प्रदूषण स्तर की माप की जाती है—
 (A) ATP (B) STP
 (C) BOD (D) WPL
43. वायुमण्डल की सबसे ठण्डी परत कौन-सी है?
 (A) तापमण्डल (B) मध्यमण्डल
 (C) क्षेत्रमण्डल (D) आयनमण्डल
44. निम्नलिखित में किस एक प्राणी को किसान का मित्र कहा जाता है ?
 (A) चीटी (B) केंचुआ
 (C) मधुमक्खी (D) तितली
45. पर्यावरण को बचाने के लिए विपक्षों आन्दोलन से कौन-सा राज्य जुड़ा हुआ है ?
 (A) उत्तर प्रदेश (B) झारखण्ड
 (C) उत्तराखण्ड (D) छत्तीसगढ़
46. विश्व ओजोन दिवस मनाया जाता है—
 (A) 21 मार्च (B) 16 सितम्बर
 (C) 25 अप्रैल (D) 5 जून
47. निम्नलिखित में कौन द्वितीय श्रेणी का उपभोक्ता है ?
 (A) हाथी (B) साँप
 (C) शेर (D) बकरी
48. ओजोन परत का अधिकतम हास निम्न में से किस पर हुआ है ?
 (A) भूमध्यरेखा
 (B) उत्तरी ध्रुव
 (C) दक्षिणी ध्रुव
 (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
49. कौन-सी ग्रीन हाउस गैस वातावरण में सबसे अधिक मात्रा में उपस्थित रहती है ?
 (A) कार्बन डाइ-ऑक्साइड
 (B) प्रोपेन
 (C) एथेन
 (D) मीथेन
50. भू-मण्डलीय तापन का कारण है—
 (A) हिमनदों में वृद्धि
 (B) कार्बन डाइ-ऑक्साइड में वृद्धि
 (C) कार्बन डाइ-ऑक्साइड में कमी
 (D) वनों में वृद्धि
51. वायुमण्डल की कौन-सी परत प्रकाश की परावैगनी किरणों को पृथ्वी की सतह पर आने से रोकती है ?
 (A) समतापमण्डल (B) क्षेत्रमण्डल
 (C) आयनमण्डल (D) मध्यमण्डल
52. निम्नलिखित में से कौन-सी ग्रीन हाउस गैस नहीं है ?
 (A) कार्बन डाइ-ऑक्साइड
 (B) नाइट्रस ऑक्साइड
 (C) हीलियम
 (D) मीथेन

व्याख्यात्मक हल

- (D) उपर्युक्त सभी।
- (B) मिथाइल आइसोसायनेट
 म.प्र. के भोपाल शहर में 3 दिसम्बर सन् 1984 को एक भयानक दुर्घटना हुई। उस औद्योगिक दुर्घटना को भोपाल गैस कांड या भोपाल गैस त्रासदी के नाम से जाना जाता है। भोपाल रिश्त यूनियन कार्बाइड नामक कम्पनी के कारखाने में एक जहरीली गैस का रिसाव हुआ, जिससे लगभग 1500 से अधिक लोगों की जान चली गयी। इस गैस का नाम मिथाइल आइसोसायनेट था।
- (A) 5 जून
 विश्व पर्यावरण दिवस प्रत्येक वर्ष 5 जून को मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र ने पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और सामाजिक जागृति लाने के लिए वर्ष 1972 में की थी।
- (C) कृषि वैज्ञानिक थे।
 स्वामीनाथन को भारत में गेहूँ की उच्च उपज वाली किस्मों को पेश करने और आगे बढ़ाने में उनके नेतृत्व और सफलता के लिए भारत में हरित क्रांति के जनक

- के रूप में जाना जाता है। यह एम.एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउण्डेशन के संस्थापक हैं।
5. (D) देहादून।
- भारतीय वन्यजीव संरक्षण, पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संस्था है, जो 1982 में स्थापित किया गया था। WII जैव विविधता, लुप्तप्राय प्रजातियाँ, वन्यजीव नीति, वन्यजीव प्रबन्धन, हैविटेट पारिस्थितिकी और जलवायु परिवर्तन जैसे अध्ययन के क्षेत्रों में वन्यजीव संरक्षण अनुसंधान करता है।
6. (B) उपशिष्ट उत्पादों को खाने वाले जीवों को मृतकमक्षी कहा जाता है।
7. (A) विलुप्ति के करीब जीव
- यह सार्वजनिक, दस्तावेज का एक प्रकार है, जो पौधों, जानवरों, कवक के साथ-साथ कुछ स्थानीय उप-प्रजातियों सहित लुप्तप्राय और दुर्लभ प्रजातियों के रिकॉर्ड हेतु बनाया गया है।
8. (D) सल्फर डाइऑक्साइड
- अम्ल वर्षा में योगदान करने वाले प्रदूषकों में SO_2 तथा NO_2 मुख्य हैं।
9. (C) वर्षा जल का जमाव और भण्डारण
10. (A) उत्पादक-उपभोक्ता-अपघटक
11. (C) भारत सरकार द्वारा वन्य जीवों के अवैध शिकार को रोकने हेतु एवं पौधों के संरक्षण हेतु भारत सरकार द्वारा भारतीय वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 भारत के सभी राज्यों में लागू किया गया है।
12. (A) एगमार्क प्रमाणित भारत में कृषि खाद्य पदार्थों पर लगाया जाता है। यह खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता का प्रतीक है। इसकी स्थापना कृषि उत्पाद (श्रेणीकरण एवं मार्किंग) अधिनियम 1937 में की गई है। यह मानक भारत सरकार के विपणन एवं निरीक्षण निवेशालय द्वारा अनुमोदित है।
13. (D) आर्सेनिक गन्धीन एवं स्वाद रहित उपधारु पृथ्वी की सतह के नीचे प्रचुर मात्रा में पाई जाती है। जल में आर्सेनिक की मात्रा बढ़ जाने पर कई बीमारियाँ जैसे-त्वचा का फटना, केरोटोइस, त्वचा का कैंसर, फेफड़े एवं मूत्राशय से सम्बन्धित कैंसर होता है। भारत में गंगा एवं ब्रह्मपुत्र नदी के कछरीय क्षेत्रों के भूजल में आर्सेनिक की सान्द्रता अधिक पाई गई है।
14. (C) ग्रीनपीस इंटरनेशनल पर्यावरण वेतनाया जागरूकता से सम्बन्धित एक विश्वव्यापी आन्दोलन है। यह एक गैर-सरकारी संगठन है। इसकी स्थापना वर्ष 1971 में इंगिंग स्टोव डेरोथी द्वारा कनाडा के वैकुवर में हुई थी। इसका मुख्यालय नीदरलैंड के एम्स्टर्डम में है।
15. (C) वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फण्ड (डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ.) विश्व का सबसे बड़ा संरक्षण संगठन 29 अप्रैल, 1961 को अस्तित्व में आया था। यह पर्यावरण संरक्षण, अनुसंधान से सम्बन्धित कार्य करता है। इसका मुख्यालय स्विट्जरलैंड के ग्लैण्ड शहर में है।
16. (B) घास भूमि क्षेत्र के पारितन्त्र की खाद्य शृंखला में सबसे उच्च स्तर का उपभोक्ता मांसाहारी होता है।
17. (B) पारिस्थितिकी तन्त्र में ऊर्जा का वृहद् स्रोत सूर्य का प्रकाश है। प्रमुख उत्पादक, जैसे-पौधे, शैवाल एवं साइनोबैकिट्रिया, ऊर्जा के रूप में सूर्य के प्रकाश का उपयोग करते हैं तथा कार्बन डाइ-ऑक्साइड तथा जल से कार्बनिक पदार्थ बनाते हैं।
18. (A) नीम भारतीय पर्यावरण के अनुकूल है और भारत में बहुतायत में पाया जाता है। आयुर्वेद में नीम को बहुत ही उपयोगी माना है, नीम की छाल का लेप सभी प्रकार के चर्म रोगों और घावों के निवारण में सहायक होता है तथा इसकी दातौन से दाँत और मसूड़े स्वस्थ होते हैं।
19. (B) भारत सरकार ने पर्यावरण के संरक्षण के लिए एक कानून बनाया, जिसे पर्यावरण संरक्षण अधिनियम कहते हैं। इस अधिनियम को सन् 1986 में पारित किया गया था।
20. (B) विषुवत् रेखा को पृथ्वी के सबसे विविध प्रकार के जीवों और वनस्पतियों की उष्णकटिबन्धीय सदावहार वर्षा वन, जहाँ अधिक वर्षा एवं अधिक गर्मी पाई जाती है। सर्वाधिक जैव विविधता के लिए पहचाना जाता है।
21. (B) ध्वनि प्रदूषण का मापन डेसीबल इकाई द्वारा किया जाता है।
22. (C) ग्रीन मफ्लर ध्वनि प्रदूषण से सम्बन्धित है। इस प्रदूषण पर नियन्त्रण पाने का एक ही उपाय है कि परिवर्तन व्यवस्था में सुधार किया जाए ताकि शोरगुल कम हो और ध्वनि-प्रदूषण नियन्त्रित हो सके।
23. (A) 16 सितम्बर को अन्तर्राष्ट्रीय ओजोन दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह ओजोन परत की रक्षा से सम्बन्धित जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है।
24. (A) किसी खाद्य शृंखला में प्राथमिक उत्पादक को शाकाहारी माना जाता है, क्योंकि प्राथमिक उत्पादक का अर्थ ही वह जीव होता है, जो अपना भोजन पौधे या मृदा से प्राप्त करता है।
25. (B) जैव-भू-रासायनिक चक्र पारिस्थितिकीय तन्त्र के तत्त्व हैं, इसके तहत मृत वस्तु मिट्टी की पूर्ण उर्वरकता को बनाए रखने में पारिस्थितिक तन्त्र की सहायता करती है।
26. (C) हाइड्रोजन जो न्यूनतम पर्यावरणीय प्रदूषण उत्पन्न करता है।
27. (C) चीन में पाण्डा पाया जाता है, क्योंकि चीन में पाण्डा के लिए अनुकूल पारिस्थितिक तन्त्र है जिससे पाण्डा के खाने के लिए बाँस बहुत अधिक मात्रा में पाया जाता है।
28. (D) भोपाल में मिथाइल आइसोसायनेट गैस के रिसाव के कारण भयंकर त्रासदी हुई थी, जिसमें हजारों लोग मारे गए थे।
29. (C) मानव विकास के क्रम में दो पैरों से चलने का सबसे बड़ा लाभ है कि मानव के दो हाथ स्वतंत्र रूप से मस्तिष्क की आज्ञानुसार कार्य करते हैं। अतः इससे कार्य करने में कुशलता का विकास होता है।
30. (D) इकोसिस्टम, जीव समुदाय और उसके वातावरण का सन्तुलित तन्त्र होता है। इसमें जीवधारी अपने वातावरण से अन्त किया करते हैं।
31. (A) किसी पारितन्त्र में तत्वों का चक्रण जीव भू-रासायनिक कहलाता है। इस क्रिया में जैविक तथा अजैविक तन्त्र में चक्रण होता है।
32. (C) जैविक समुदाय में पौधे उत्पादक होते हैं तथा जो इनके द्वारा भोजन प्राप्त करते हैं, वे शाकाहारी होते हैं। ये प्राथमिक उपभोक्ता भी कहलाते हैं।
33. (D) जब मोर साँप को खाता है, साँप कीड़े को खाता है और कीड़े हरे पौधों को खाते हैं, तो मोर खाद्य पिरामिड के शीर्ष पर होगा। इसका पिरामिड इस प्रकार बनेगा।



34. (D) लकड़ी तथा कोयले से निकलने वाला धुआँ गैसीय अपशिष्ट का उदाहरण है। इससे मेथेन, कार्बन मोनोक्साइड, कार्बन डाइऑक्साइड आदि गैसें निकलती हैं। जो पर्यावरण को नुकसान पहुँचाती है।
35. (B) दो जातियों के बीच ऐसा सम्बन्ध जिसमें एक जीव, दूसरे जीव को बिना हानि पहुँचाए लाभ लेता है, उन्हें सहभाजी जीव कहा जाता है; जैसे—फर्न, आर्किड आदि। ये वृक्षों पर वृद्धि करते हैं, परन्तु उन्हें हानि नहीं पहुँचाते हैं।
36. (A) जो शाकाहारी जन्तु भोजन के लिए हरे पेड़—पौधों पर निर्भर रहते हैं वे प्रथम चरण के उपभोक्ता कहे जाते हैं।
37. (A) सल्फर डाइऑक्साइड (SO_2) अम्लीय वर्षा का मुख्य कारक है। यह वर्षा की बूँदों के साथ मिलकर उसे अम्लीय कर देती है।
38. (A) दिए गए विकल्पों में सर्वाधिक उत्पादक पारिस्थितिकी तन्त्र, उष्णकटिबन्धीय वर्षा वन (Tropical rain forests) है।
39. (C) कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, मेथेन, ओजोन, जलवाष्प तथा क्लोरो-फ्लोरो कार्बन प्रमुख ग्रीन हाउस

- गैसें हैं, जो विश्व ऊष्मायन के लिए उत्तरदायी हैं।
40. (B) असम का काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान एक सींग वाले गैंडे के लिए प्रसिद्ध है।
41. (C) प्रकृति में खाद्य शृंखलाएँ एक सीधी कड़ी के रूप में नहीं होती है बल्कि सभी एक-दूसरे से परस्पर सम्बन्ध द्वारा एक समूह बनाती हैं, जिसे खाद्य जाल कहा जाता है।
42. (C) किसी नदी के प्रदूषक स्तर की माप BOD (Biochemical Oxygen Demand) में की जाती है।
43. (B) पृथ्वी तल से ऊपर की ओर जाने पर पहले तापमान घटता है फिर बढ़ता है फिर घटता है और मध्यमण्डल के बाद फिर बढ़ना शुरू हो जाता है। मध्यमण्डल की मध्य सीमा पर तापमान गिरकर 100°C तक पहुँच जाता है।
44. (B) 'केंचुआ' को किसान का मित्र कहा जाता है, क्योंकि यह मिट्टी को खोदकर (विल बनाकर) उसे उपजाऊ बनाता है।
45. (C) सुन्दर लाल बहुगुणा व श्री चन्द्री प्रसाद भट्ट के नेतृत्व में पर्यावरण को बचाने के लिए 'चिपको आन्दोलन' की शुरुआत वर्ष 1973 में उत्तराखण्ड राज्य के चमोली जिले से हुई थी।
46. (B) विश्व ओजोन दिवस प्रत्येक वर्ष 16 सितम्बर को मनाया जाता है।
47. (B) हाथी एवं बकरी प्रथम श्रेणी, साँप द्वितीय श्रेणी तथा और तृतीय श्रेणी उपभोक्ता है।
48. (C) दक्षिणी ध्रुव अमेरिकी एजेंसी नासा की रिपोर्ट के अनुसार ओजोन परत पर उत्तरी अमेरिका के आकार जितना बड़ा छिद्र हो चुका है, जिसका आकार लगभग 2.5 वर्ग किलोमीटर आँका गया है।
49. (A) कार्बन डाइ-ऑक्साइड ग्रीन हाउस गैस वातावरण में सबसे अधिक मात्रा में उपस्थित रहती है।
50. (B) भूमण्डलीय ताप का अभिप्राय, तापमान में वृद्धि होना है, इसकी वृद्धि के अनेक कारण हैं जिसके तहत वातावरण में कार्बन डाइ-ऑक्साइड में वृद्धि मानी जाती है यह वृद्धि उद्योग, परिवहन धूलकण आदि कारणों से होते हैं।
51. (A) वायुमण्डल का निर्माण विभिन्न परत से हुआ है, जिन्हें समतापमण्डल, आयनमण्डल, शोभमण्डल आदि नामों से जानते हैं पृथ्वी की सतह से ऊपर दूसरा मण्डल समतापमण्डल है। यह मण्डल पृथ्वी की सतह पर सूर्य की परावेगनी किरणों को आने से रोकता है।
52. (C) हीलियम एक रासायनिक तत्व है। यह एक निष्क्रिय गैस या नोबल गैस है। यह रंगहीन, गंधहीन, स्वादहीन गैस है।

□□